▪ आश्विन कृष्ण - 6 ▪ संवत 2080 ▪ वर्ष - 11 ▪ अंक - 72 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » बुधवार » 04-10-2023 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल ने जाति आधारित गणना की वकालत की

6 देशभर में उठने लगी जातीय गणना की मांग

7 आज की दुनिया को धर्म की कम शिक्षा की अधिक जरूरत है : अनुराग कश्यप

फर्स्ट टेक

दिल्ली-एनसीआर समेत उत्तर भारत के कई हिस्सों में भूकंप के झटके

नई दिल्ली/भाषा। नेपाल में कुछ ही समय के अंतराल पर एक के बाद एक आए चार भूकंप के कारण दिल्ली–एनसीआर और उत्तर भारत के कुछ हिस्सों में भी भूकंप के झटके महसूस किये गये। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (एनसीएस) ने मंगलवार को यह जानकारी दी। एनसीएस के एक अधिकारी ने कहा कि 4.6 तीव्रता का पहला भूकंप दोपहर 2:25 बजे पश्चिम नेपाल में जमीन से 10 किलोमीटर की गहराई पर आया। इसके बाद 2:51 बजे हिमालयी राष्ट्र में एक बार फिर तेज भूकंप का झटका आया, जिसकी तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 6.2 मापी गई। दो और भूकंप (3.6 और 3.1 तीव्रता के) क्रमशः तीन बजकर छह मिनट पर और तीन बजकर 19 मिनट पर उसी क्षेत्र में 15 किमी और 10 किमी की गहराई पर आए।

जापान के होन्शू में 6.0 तीव्रता का भूकंप

हांगकांग/वार्ता। जापान के होंशू द्वीप के दक्षिण–पूर्व में मंगलवार को भूकंप के तेज झटके महसूस किये गये। यह जानकारी जीएफजेड जर्मन रिसर्च सेंटर फॉर जियोसाइंसेज ने दी। अंतरराष्ट्रीय समयानुसार 11:38:05 बजे आये भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 6.0 आंकी गयी। भूकंप का केंद्र 29.85 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 140.44 डिग्री पूर्वी देशांतर में जमीन से 10 किलोमीटर की गहराई में स्थित था।

पाकिस्तान ने नए नौसेना प्रमुख की नियुक्ति की

इस्लामाबाद/भाषा। नकदी संकट से जूझ रहे देश के सामने कई सुरक्षा चुनौतियों के बीच पाकिस्तानी नौसेना ने मंगलवार को वाइस एडमिरल नवीद अशरफ को अपना नया प्रमुख नियुक्त करने की घोषणा की। अशरफ नौसेना प्रमुख एडमिरल अमजद नियाजी की सेवानिवृत्ति के बाद उनकी जगह लेंगे। पाकिस्तानी नौसेना के प्रवक्ता के अनुसार, कमान परिवर्तन समारोह शनिवार को इस्लामाबाद में आयोजित किया जाएगा। 'जियो न्यूज' की खबर के अनुसार, वाइस एडमिरल को नौसेना प्रमुख के तौर पर कार्यभार संभालने के दिन ही चार सितारा रैंक भी दी जाएगी।

नाइजर में जिहादियों ने 29 सैनिकों की हत्या की : सेना

अबुजा/एपी। पश्चिमी अफ्रीकी देश नाइजर में माली से सटी सीमा के पास जिहादियों ने कम से कम 29 सैनिकों की हत्या कर दी। नाइजर में मौजूदा सैन्य सरकार शासन 'जुंटा' ने यह जानकारी दी। नाइजर के रक्षा मंत्री लेफ्टिनेंट जनरल सलीफौ मूडी ने सोमवार देर रात एक बयान में कहा कि 100 से अधिक चरमपंथियों ने सीमा क्षेत्र में निकासी अभियान पर तैनात सुरक्षाबलों को निशाना बनाने के लिए घरेलू विस्फोटकों का इस्तेमाल किया।

सूर्यास्त 04-10-2023	सूर्योदय 05-10-2023
5:57 बजे	5:58 बजे

BSE	NSE
65,512.10	19,528.75
(-316.30)	(-109.55)

सोना	चांदी
5,992 रु.	76,000 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

‘न्यूजक्लिक’, उसके पत्रकारों से जुड़े परिसरों पर दिल्ली पुलिस के छापे

▪ **‘न्यूजक्लिक’ के खिलाफ यह कार्रवाई इस आरोप के बाद की गई है कि उसने चीन के समर्थन में प्रचार करने के लिए धन प्राप्त किया।**

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली पुलिस के विशेष प्रकोष्ठ ने गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) के तहत दर्ज एक मामले में ऑनलाइन समाचार पोर्टल ‘न्यूजक्लिक’ और उसके पत्रकारों से जुड़े 30 परिसरों पर मंगलवार को छापे मारे। ‘न्यूजक्लिक’ के खिलाफ यह कार्रवाई इस आरोप के बाद की गई है कि उसने चीन के समर्थन में प्रचार करने के लिए धन प्राप्त किया।

पुलिस ने कहा कि दिल्ली–एनसीआर क्षेत्र में केंद्रित छापेमारी में अब तक किसी को गिरफ्तार नहीं किया गया है। न्यूजक्लिक के संस्थापक एवं प्रधान संपादक प्रबीर पुरकायस्थ को न्यूजक्लिक के

दक्षिणी दिल्ली कार्यालय ले जाया गया जहां एक फोरेंसिक टीम मौजूद थी।

सूत्रों ने बताया कि जिन व्यक्तियों से पूछताछ की गई है उनमें पत्रकार उर्मिलेश, औनिंद्यो चक्रवर्ती, अभिसार शर्मा और परंजय गुहा ठाकुरता के साथ ही इतिहासकार सोहेल हाशमी भी शामिल हैं। सूत्रों ने बताया कि पुलिस ने विभिन्न मुद्दों से संबंधित 25 सवाल पूछे जिनमें उनकी विदेश यात्राओं, शाहीन बाग प्रदर्शन, किसान प्रदर्शन और अन्य से संबंधित सवाल शामिल थे। सूत्रों ने बताया कि जिन लोगों से पूछताछ की गई है उन्हें तीन श्रेणियों में बांटा गया है–ए, बी और सी।

केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने भुवनेश्वर में एक सभा को संबोधित करते हुए कहा कि देश की जांच एजेंसी स्वतंत्र हैं और वे कानून के अनुसार काम करती हैं।

कांग्रेस देश के हिन्दुओं और गरीबों को बांटने का कर रही कुचक्र : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जगदलपुर/वार्ता। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बिहार की जातीय जनगणना के सार्वजनिक होने के बाद कांग्रेस के..जिसकी जितनी आबादी उसकी उतनी भागीदारी..के बयान पर उसे आड़े हाथों लेते हुए कहा हैं कि वह देश के हिन्दुओं और गरीबों को बांटने का कुचक्र कर रही है।

मोदी ने आज यहां भाजपा की परिवर्तन रैली को सम्बोधित करते हुए कहा कि सबसे बड़ी जाति गरीब की है,और अगर उसका भला हो गया तो देश का भला हो जायेगा।उन्होने बगैर कोई नाम लिए कांग्रेस पर एक देश के साथ गुप्त समझौता करने का भी गंभीर आरोप लगाया और कहा कि भारत की बुराई करने में उसे मजा आ रहा है।भारत के प्रति उसका प्रेम कम

होता जा रहा है। उन्होने कहा कि भारत के संसाधनों पर पहला हक गरीब का है चाहे वह दलित,पिछड़ा या फिर सामान्य वर्ग से हो।गरीब के जीवन में बदलाव होना चाहिए।कांग्रेस नई मांग कर देश के लोगो के बीच खाई को बढ़ाने और उनके बीच बैर बढ़ाने की कोशिश कर रही है। उन्होने पूर्व प्रधानमंत्री डा.मनमोहन सिंह का उल्लेख करते हुए कहा कि..उन्होने कहा था कि देश के संसाधनों पर पहला हक अल्पसंख्यकों का है,अब कांग्रेस की नई मांग से वह क्या सोच रहे होंगे..।

कांग्रेस पर अल्पसंख्यकों का हक कम करने का आरोप लगाते हुए उन्होने कहा कि कांग्रेस को आज कांग्रेस के लोग नही चला रहे है, वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं के मुंह पर ताला लगा हुआ है।

तेलंगाना को 8000 करोड़ रु से अधिक की विकास परियोजनाओं की सौगात

निजामाबाद/वार्ता। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को तेलंगाना को बिजली, रेल और स्वास्थ्य जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में 8000 करोड़ रुपये से अधिक की कई विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखी।

प्रधानमंत्री ने तेलंगाना विधानसभा चुनाव से पहले राज्य को यह सौगात दी। तेलंगाना में इस साल के आखिर में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। प्रधानमंत्री आज छत्तीसगढ़ के बाद अपराह्न निजामाबाद पहुंचे हैं और उन्होंने राज्य के लोगों को 8000 करोड़ से अधिक परियोजनाओं की सौगात दी है।

दुश्मन का मुकाबला करने को तैयार है भारत : वायु सेना प्रमुख

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/वार्ता। वायु सेना प्रमुख वी आर चौधरी ने आज कहा कि पाकिस्तान और चीन के बीच सैन्य गठजोड़ का भारत को अच्छी तरह से पता है और वह प्रौद्योगिकी का मुकाबला प्रौद्योगिकी से तथा ताकत का मुकाबला प्रशिक्षण और रण कौशल के बल पर मजबूती से करने को पूरी तरह तैयार है।

एयर चीफ मार्शल चौधरी ने 91 वें वायु सेना स्थापना दिवस 8 अक्टूबर से पहले मंगलवार को यहां वार्षिक संवाददाता सम्मेलन में सवालों के जवाब में कहा कि हमारे क्षेत्र में अस्थिर तथा अनिश्चित भू राजनैतिक स्थिति को देखते हुए मजबूत

तथा विश्वसनीय सेना समय की जरूरत है।

वायु सेना प्रमुख ने पाकिस्तान और चीन के बीच बन रहे सैन्य गठजोड़ के बारे में पूछे गये सवाल के जवाब में कहा कि भारत को जानकारी है कि उनके बीच प्रौद्योगिकी का हस्तांतरण हो रहा है। पाकिस्तान में जे एफ– 17 लड़ाकू विमान बनाया जा रहा है और वह जे–10 विमान भी ले रहा है। उन्होंने कहा कि हमारी नजर इस बात पर है और हम प्रौद्योगिकी का मुकाबला प्रौद्योगिकी से तथा ताकत और अधिक संख्या का मुकाबला अपने प्रशिक्षण तथा रणकौशल से करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

चीन से लगती वास्तविक नियंत्रण रेखा की स्थिति के बारे में पूछे गये सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि हम सीमा पर अत्यंत कड़ी नजर रख रहे हैं। हम खुफिया जानकारी, निगरानी तथा टोही अभियानों के माध्यम से सीमा पर और सीमा पार बनायी जा रही ढांचागत सुविधाओं, क्षमता निर्माण तथा संसाधनों पर पैनी नजर रखते हैं। उन्होंने कहा कि हमारी संचालन नीतियां गतिशील हैं और ये स्थिति तथा समय की जरूरत और मोर्चे की जगह के अनुरूप बदलती रहती हैं।

नायडू को राहत नहीं, सुप्रीम कोर्ट नौ अक्टूबर को करेगी सुनवाई

नई दिल्ली/वार्ता। उच्चतम न्यायालय ने आंध्र प्रदेश में कौशल विकास केंद्रों की स्थापना में कथित घोटाले से संबंधित एक मामले में पूर्व मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू को तत्काल राहत देने की उनकी गुहार ठुकराते हुए मंगलवार को कहा वह इस मामले से उच्च न्यायालय में पेश दस्तावेज प्राप्त राज्य सरकार से होने के बाद नौ अक्टूबर को इस पर विचार करेगा। न्यायमूर्ति अनिरुद्ध बोस और न्यायमूर्ति बेला एम त्रिवेदी की पीठ ने नायडू की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ताओं– वरिष्ठ अधिवक्ता हरीश साल्वे, ए एम सिंघवी और सिद्धार्थ लूथरा और आंध्र प्रदेश सरकार की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी और रंजीत कुमार की दलीलें सुनने के बाद कहा कि वह इस मामले में सोमवार को विचार करेगी।

पूजा-अर्चना

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को छत्तीसगढ़ के जगदलपुर में दंतेश्वरी मंदिर में पूजा-अर्चना की।

भारत के साथ तनाव को बढ़ाना नहीं चाहता कनाडा, रचनात्मक संबंध जारी रखेंगे : ट्रूडो

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

टोरंटो/भाषा। प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने मंगलवार को कहा कि कनाडा भारत के साथ तनाव को बढ़ाना नहीं चाहता है।

खालिस्तानी अलगाववादी की हत्या मामले को लेकर दोनों देशों में जारी राजनयिक विवाद के बीच ट्रूडो ने कहा कि ओटावा नई दिल्ली के साथ ‘‘रचनात्मक संबंध’’ जारी रखेगा।

‘टोरंटो सन’ अखबार की खबर के मुताबिक, ट्रूडो ने ओटावा में पत्रकारों से कहा कि कनाडा के लिए भारत में जमीनी स्तर पर राजनयिकों का होना महत्वपूर्ण है।

उनका यह बयान लंदन के अखबार ‘फाइनेंशियल टाइम्स’ की उस रिपोर्ट के बाद आया है, जिसमें दावा किया गया है कि भारत शेष बचे 62 कनाडाई राजनयिकों में से 41 को वापस भेजना चाहता है।

अखबार ने ट्रूडो के हवाले से कहा, ‘‘जाहिर है, हम इस समय भारत के साथ बेहद चुनौतीपूर्ण समय से गुजर रहे हैं।’’

हालांकि, उन्होंने फाइनेंशियल टाइम्स की रिपोर्ट की पुष्टि नहीं की।

यह पूछे जाने पर कि क्या उनकी सरकार जवाबी कार्रवाई में भारत से कनाडा में तैनात राजनयिकों को हटाने के लिए कहेगी, ट्रूडो ने कहा कि उनकी सरकार नई दिल्ली के साथ काम करना जारी रखने की कोशिश करेगी।

ट्रूडो ने कहा, ‘‘जैसा कि मैंने कहा है, हम तनाव बढ़ाने के बारे में नहीं सोच रहे हैं। हम वह काम करना चाहते हैं, जो इस बेहद कठिन समय में भारत के साथ रचनात्मक संबंध जारी रखने के लिए मायने रखता है।’’

परमाणुओं में इलेक्ट्रॉन के अध्ययन के लिए

भौतिकी का नोबेल पुरस्कार तीन वैज्ञानिकों को दिया जाएगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

स्टाकहोम/एपी। भौतिकी का नोबेल पुरस्कार इस बार उन तीन वैज्ञानिकों को देने की घोषणा की गई है जिन्होंने सेकेंड के सबसे छोटे हिस्से के दौरान परमाणुओं में इलेक्ट्रॉन का अध्ययन किया।

अमेरिका में ओहायो स्टेट यूनिवर्सिटी के पियरे अगस्टीनी, जर्मनी में मैक्स प्लांक इंस्टीट्यूट ऑफ क्वांटम ऑप्टिक्स तथा लुडविग मैक्सिमिलियन यूनिवर्सिटी

ऑफ म्यूनिक के फेंरेस क्रौस और स्वीडन स्थित लुंड यूनिवर्सिटी की एने लुइलिये को भौतिकी के क्षेत्र में योगदान के लिए इस प्रतिष्ठित पुरस्कार से नवाजा जाएगा।

रॉयल स्वीडिश एकेडमी ऑफ साइंसेज के महासचिव हैंस एलेग्रेन ने मंगलवार को स्टाकहोम में पुरस्कार की घोषणा की। एकेडमी के अनुसार, ‘‘उनके प्रयोगों ने मानवता को परमाणुओं और कणों में इलेक्ट्रॉन की दुनिया का अन्वेषण करने के नये औजार उपलब्ध कराये हैं।’’

इसमें कहा गया है कि उन्होंने ‘‘प्रकाश की अत्यंत छोटी तरंगें बनाने का तरीका प्रदर्शित किया है जिसका उपयोग उन तीव्र प्रक्रियाओं को मापने के लिए किया जा सकता है जिनमें इलेक्ट्रॉन चलते हैं या ऊर्जा बदलते हैं।’’

लुइलिये भौतिकी का नोबेल पुरस्कार जीतने वाली पांचवीं महिला हैं।

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

खिसियाने

है सफल सियासतदां वो ही,
जो लगा सके हरदम गोंचे।
प्रतिपक्षी पर जो ठीक वक्त में,
हमला करने की सोचे।
पर कई बार इस कोशिश में,
लगने लगते हैं वे पोचे।
फर्जी मुद्दों पर लगता है,
खिसियाने ज्यों खंभा नोचे।।

सिकुड़कर छोटा होता जा रहा है बुध ग्रह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मिल्टन कीन्स/द कन्वरसेशन। ग्रह वैज्ञानिक लंबे समय से जानते हैं कि बुध अरबों वर्षों से सिकुड़ रहा है। सूर्य के सबसे निकट ग्रह होने के बावजूद, आंतरिक गर्मी निकल जाने के कारण इसका आंतरिक भाग ठंडा होता जा रहा है। इसका मतलब यह है कि जिस चट्टान (और, उसके भीतर, धातु) से यह बना है, उसका आयतन थोड़ा सिकुड़ता जा रहा है।

हालाँकि, यह अज्ञात है कि ग्रह आज भी किस हद तक सिकुड़ रहा है – और, यदि यह वाकई सिकुड़ रहा है, तो यह भी कोई नहीं जानता कि यह प्रक्रिया कितने समय तक जारी रहने की संभावना है। अब नेचर जियोसाइंस में प्रकाशित, हमारा नया पेपर, इस संबंध में ताज़ा अंतर्दृष्टि प्रदान करता है।

चूँकि बुध का आंतरिक भाग सिकुड़ रहा है, इसकी सतह (परत) के पास ढकने के लिए उत्तरोत्तर कम क्षेत्र रह गया है। यह दबाव थ्रस्ट विकसित करके इसका जवाब देता है – जहां क्षेत्र का एक भाग निकटवर्ती इलाके पर धकेल दिया जाता है।

यह सेब के पुराने होने पर उस पर पड़ने वाली झुर्रियों की तरह है, फर्क सिर्फ इतना है कि एक सेब इसलिए सिकुड़ जाता है क्योंकि वह सूख रहा है जबकि बुध अपने आंतरिक भाग के तापीय संकुचन के कारण सिकुड़ रहा है।

बुध के सिकुड़ने का पहला सबूत 1974 में सामने आया जब मेरिनर 10 मिशन ने सैकड़ों किलोमीटर तक अपना रास्ता बना चुकी कई किलोमीटर ऊंची स्कार्पियों (रैंप जैसी ढलानों) की तस्वीरें प्रसारित कीं।

मैसेंजर, जिसने 2011–2015 में बुध की परिक्रमा की, ने दुनिया के सभी हिस्सों में इसी तरह के कई और ढलान दिखाए।

इस तरह के अवलोकनों से, यह निष्कर्ष निकालना संभव था कि धीरे-धीरे भूवैज्ञानिक दोष, जिन्हें थ्रस्ट के रूप में जाना जाता है, प्रत्येक ढलान की नीचे की सतह तक पहुंचते हैं, जिससे बुध की त्रिज्या में लगभग 7 किमी की कुल कमी का अनुमान है।

लेकिन ऐसा कब हुआ?

बुध की सतह की आयु जानने का स्वीकृत तरीका प्रभाव वाले गड्ढों के घनत्व की गणना करना है। सतह जितनी पुरानी होगी, क्रेटर उतने ही अधिक होंगे। लेकिन यह विधि मुश्किल है, क्योंकि गहरे अतीत में क्रेटर उत्पन्न करने वाले प्रभावों की दर बहुत अधिक थी।

हालाँकि, यह हमेशा स्पष्ट था कि बुध की ढलान काफी प्राचीन होनी चाहिए, क्योंकि यद्यपि वे कुछ पुराने क्रेटरों को काटती हैं, लेकिन कुछ छोटे क्रेटर ढलान पर भी दिखाई देते हैं इसलिए ये ढलान उनसे भी पुरानी होनी चाहिए।

वह स्कार्प आखिरी बार कब चला था?

सर्वसम्मत राय यह है कि बुध के ढलान अधिकांशतः लगभग 3 अरब वर्ष पुराने हैं। लेकिन क्या ये सभी इतने पुराने हैं? और क्या पुराने ढलान ने बहुत पहले ही आगे बढ़ना बंद कर दिया था या

वे आज भी सक्रिय हैं? हमें यह उम्मीद नहीं करनी चाहिए कि प्रत्येक ढलान के नीचे का थ्रस्ट फॉल्ट केवल एक बार ही चला है। हाल के वर्षों में पृथ्वी पर सबसे बड़ा भूकंप, 2011 में जापान के तट पर आया था। रिक्टर पैमाने पर 9 की तीव्रता का तोहोकू भूकंप, जो फुकुशिमा आपदा का कारण बना, एक थ्रस्ट फॉल्ट की 100 किमी लंबाई के साथ 20 मीटर की अचानक उछाल का परिणाम था।

बुध पर भ्रंश गतिविधियों के पैमाने और अवधि पर नियंत्रण पाना महत्वपूर्ण है, क्योंकि हम यह उम्मीद नहीं करेंगे कि बुध का थर्मल संकुचन पूरी तरह से समाप्त हो जाएगा, भले ही यह धीमा होना चाहिए।

केरल के कुछ हिस्सों में भारी बारिश के कारण बाढ़, शैक्षणिक संस्थान बंद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल के कई हिस्सों में बीते कुछ दिनों से जारी भारी बारिश के कारण राज्य के कुछ इलाकों में बाढ़ आ गई है, जिससे मंगलवार को वहां के शैक्षणिक संस्थान बंद करने पड़े।

जिला प्रशासन ने कोट्टायम, वायकोम और चंगनास्सेरी तालुक में स्थित शैक्षणिक संस्थानों में छुट्टी घोषित कर दी है। इन जिलों में बाढ़ प्रभावित करीब 246 लोगों ने 17 राहत शिविरों में शरण ले रखी है।

अधिकारियों ने कहा कि अलाप्पुझा में चेरथला और चेंगन्नूर तालुक में स्थित शैक्षणिक संस्थानों में छुट्टी घोषित की गई है। इन संस्थानों में राहत शिविर स्थापित किए गए हैं।

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने मंगलवार को केरल के तिरुवनंतपुरम, कोल्लम, पथानमथिट्टा, अलाप्पुझा और कोट्टायम जिलों के कुछ इलाकों में हल्की बारिश होने की भविष्यवाणी की है।

विभाग ने दिन के समय में चार जिलों-तिरुवनंतपुरम, कोल्लम, पथानमथिट्टा और अलाप्पुझा जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी किया है।

आईएमडी छह से 11 सेंटीमीटर के बीच भारी बारिश के पूर्वानुमान पर येलो अलर्ट जारी करता है।

राज्य में बीते तीन-चार दिन से भारी बारिश जारी है, जिससे कई स्थानों पर पेड़ों के उखड़ने, जलभराव और दीवारों के गिरने की घटनाएं सामने आई हैं। हालांकि, इस दौरान राज्य में किसी बड़े नुकसान की कोई खबर नहीं है।

भारी बारिश से पूर्व में अलप्पुझा जिले के कुट्टनाड क्षेत्र के एक छोटे से गांव एडथुआ में सैकड़ों एकड़ में फैले धान के खेत जलमग्न हो गए थे।

आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने लगातार बारिश के चलते पहाड़ी इलाकों में रहने वाले लोगों को अतिरिक्त सतर्कता बरतने की सलाह दी है।

वित्त वर्ष 2023-24 में भारतीय अर्थव्यवस्था 6.3 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी: विश्व बैंक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/वाशिंगटन/भाषा। निवेश और घरेलू मांग के दम पर भारतीय अर्थव्यवस्था के चालू वित्त वर्ष 2023-24 में 6.3 प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान है। विश्व बैंक की मंगलवार को जारी एक रिपोर्ट के अनुसार, चुनौतीपूर्ण वैश्विक माहौल की पृष्ठभूमि में भारत लगातार मजबूती दिखा रहा है। विश्व बैंक की भारत की वृद्धि से जुड़ी अद्यतन जानकारी के अनुसार, भारत जो दक्षिण एशिया क्षेत्र का बड़ा हिस्सा है, वहां 2023-24 में वृद्धि दर 6.3 प्रतिशत रहने का अनुमान है।

मुद्रास्फीति पर रिपोर्ट में कहा गया कि खाद्य पदार्थों की कीमतें सामान्य होने और सरकारी कदमों से प्रमुख वस्तुओं की आपूर्ति बढ़ाने में मदद मिलने से इसके धीरे-धीरे कम होने की उम्मीद है। विश्व बैंक ने कहा कि दक्षिण एशिया में इस साल 5.8 प्रतिशत की दर से वृद्धि होने का अनुमान है, जो दुनिया के किसी भी अन्य विकासशील देश क्षेत्र की तुलना में अधिक है। हालांकि यह वैश्विक महामारी से पहले की गति से धीमी है और अपने विकास लक्ष्यों को हासिल करने के लिए पर्याप्त रूप से तेज नहीं है। भारत में अपेक्षा से अधिक मजबूत आंकड़ों के कारण 2023 में वृद्धि में 0.2 प्रतिशत अंक की वृद्धि हुई है। विश्व बैंक के उपाध्यक्ष (दक्षिण एशिया क्षेत्र) मार्टिन रायसर ने कहा, '' पहली नजर में दक्षिण एशिया वैश्विक अर्थव्यवस्था में एक उज्ज्वल स्थान है। विश्व बैंक का अनुमान है कि यह क्षेत्र अगले कुछ वर्षों में किसी भी अन्य विकासशील देश क्षेत्र की तुलना में अधिक तेजी से बढ़ेगा।'' कमजोर विदेशी मांग के परिणामस्वरूप माल निर्यात की वृद्धि धीमी होने का अनुमान है, हालांकि मजबूत सेवा निर्यात से इसकी भरपाई हो जाएगी। रोजगार संकेतक कमजोर रहे हैं, हालांकि उचित नीतियों के साथ देश की आर्थिक वृद्धि अधिक रोजगार सृजन कर सकती है।

चौहान ने भोपाल में मेट्रो ट्रेन को हरी झंडी दिखाई, सफर किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भोपाल/भाषा। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मंगलवार को भोपाल में मेट्रो रेल के नौ किलोमीटर लंबे प्रथम चरण के गलियारे का उद्घाटन किया। चौहान ने मेट्रो ट्रेन को हरी झंडी दिखाई और सुभाष नगर से रानी कमलापति स्टेशन तक लगभग पांच किमी के 'ट्रायल रन' के दौरान जन प्रतिनिधियों और अधिकारियों के साथ यात्रा की।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि मेट्रो का मतलब परिवहन के अन्य साधनों की तुलना में सुरक्षित, आरामदायक, सुगम, ऑनलाइन टिकटिंग, प्रदूषण मुक्त और सस्ती यात्रा है। चौहान ने कहा कि प्रथम चरण का गलियारा, जिसमें पांच स्टेशन शामिल हैं, केवल आठ महीने के रिकॉर्ड समय में पूरा हो गया। उन्होंने इस उपलब्धि के लिए प्रमुख सचिव नीरज मंडलोई और प्रबंध निदेशक मनीष सिंह के नेतृत्व में कार्यरत 'मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन' की टीम को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यहां तक कि कोच का निर्माण भी डिजाइन को अंतिम रूप दिए जाने के बाद केवल पांच महीने में किया गया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि आवश्यकता पड़ी तो भविष्य में मेट्रो ट्रेन सेवा को मंडीदीप, सीहोर और विदिशा तक बढ़ाया जाएगा। मध्य प्रदेश के चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास सारंग और महापौर मालती राय सहित अन्य लोग उपस्थित थे। प्राथमिकता गलियारे का उद्घाटन करते हुए मुख्यमंत्री ने याद किया कि जब वह कक्षा चार के बाद आगे की पढ़ाई के लिए शहर आए थे, तब तांगा ही स्थानीय परिवहन का एकमात्र साधन था। उन्होंने कहा कि बाद में टेम्पो ने शहर की सड़कों पर राज किया। चौहान ने कहा कि ऑटोरिक्शा, टैक्सी, सिटी बस, मिनी बस और बीआरटीएस के बाद, राज्य की राजधानी के लोग अब मेट्रो ट्रेन में यात्रा करेंगे। भोपाल मेट्रो रेल परियोजना के निर्माण की लागत 6,941 करोड़ रुपये है।

हुंदै मोटर इंडिया के सभी वाहनों में होंगे छह एयरबैग

नई दिल्ली/भाषा। वाहन बनाने वाली कंपनी हुंदै मोटर इंडिया ने मंगलवार को कहा कि भारत में अब उसके सभी मॉडल छह एयरबैग के साथ आएंगे। कंपनी ने यह भी घोषणा की कि उसने हाल ही में पेश किये गये भारत एनसीएपी (नई कार आकलन कार्यक्रम) में तीन मॉडल के साथ स्वैच्छिक भागीदारी का फैसला किया है। इसके बाद इसके तहत और भी मॉडल पेश किये जाएंगे। कार विनिर्माता भारत एनसीएपी कार्यक्रम के तहत स्वेच्छा से वाहन उद्योग मानक (एआईएस) 197 के अपने वाहन परीक्षण के लिए पेश कर सकते हैं।

परीक्षण में कार के प्रदर्शन के आधार पर, वाहन को बड़े लोगों और बच्चों की सुरक्षा हिसाब से 0-5 की स्टार रेटिंग दी जाएगी। कार खरीदार स्टार रेटिंग का उपयोग विभिन्न वाहनों में सुरक्षा मानकों की तुलना में कर सकते हैं और उसके अनुसार खरीद का निर्णय कर सकते हैं। कार कंपनी ने यह भी घोषणा की कि उसके मझोले आकार की सेडान 'वरना' को पांच स्टार रेटिंग मिली है। यह रेटिंग बड़ों और बच्चों की सुरक्षा के लिहाज से वैश्विक एनसीएपी से मिली है।

जेएसडब्ल्यू इन्फ्रास्ट्रक्चर में अपने कारोबार को आगे बढ़ाने की काफी क्षमता : जिंदल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। जेएसडब्ल्यू समूह के चेयरमैन सज्जन जिंदल ने कहा है कि वाणिज्यिक बंदरगाहों का संचालन करने वाली जेएसडब्ल्यू इन्फ्रास्ट्रक्चर के पास अपना कारोबार बढ़ाने की काफी क्षमता है और उसका लक्ष्य एक वैश्विक कंपनी बनना है। कंपनी मंगलवार को शेयर बाजार में सूचीबद्ध हुई।

जिंदल ने शेयर सूचीबद्ध होने के मौके पर आयोजित कार्यक्रम में सिंगापुर का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा कि यह एक 'सिटी स्टेट' है और पूरे भारत की तुलना में अधिक माल संभालता है। ''हम ऐसे बंदरगाह भी बना सकते हैं जो न केवल हमारे अपने बल्कि आसपास के देशों के माल को भी संभाल सकें।'' उन्होंने कहा, ''हम केवल भारत केंद्रित नहीं सोच सकते। हमें वैश्विक स्तर पर सोचना होगा और हमें वास्तव में खुद को एक वैश्विक कंपनी के रूप में बनाना होगा। इसलिए हमें वास्तव में उन स्तरों पर सोचना होगा।'' जिंदल ने आगे कहा कि भारत की तटरेखा बड़ी है और देश में लॉजिस्टिक लागत दुनिया में सबसे ज्यादा है। उन्होंने कहा, ''देश में वस्तुओं की परिवहन लागत सबसे ज्यादा है। इसीलिए जेएसडब्ल्यू इन्फ्रा के पास अपने कारोबार को ठीक उसी प्रकार से बढ़ाने की संभावना है, जैसा कि सरकार ने कॉनकॉर के रूप में सृजित किया है।'' सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी कॉनकॉर (कंटेनर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया) कंटेनर वाले कार्गो के लिये लॉजिस्टिक समाधान उपलब्ध कराती है। जेएसडब्ल्यू इन्फ्रास्ट्रक्चर का शेयर मंगलवार को निर्गम मूल्य 119 रुपये पर 20 प्रतिशत की बढ़त के साथ सूचीबद्ध हुआ।

107 सांसदों और विधायकों के खिलाफ नफरती भाषण देने के मामले : एडीआर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। देश के कुल 107 सांसदों और विधायकों के खिलाफ नफरत फैलाने वाले भाषण देने के आरोप में मामले दर्ज हैं और पिछले पांच वर्षों में ऐसे मामलों का सामना कर रहे 480 उम्मीदवारों ने चुनाव लड़ा है। 'एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स' (एडीआर) के आंकड़ों से यह जानकारी मिली।

एडीआर और नेशनल इलेक्शन वॉच (एनईडब्ल्यू) ने सभी मौजूदा सांसदों और विधायकों के अलावा पिछले पांच वर्षों में देश में हुए चुनावों में असफल उम्मीदवारों के चुनावी हलफनामों का विश्लेषण किया है।

विश्लेषण से पता चलता है कि कई मौजूदा सांसदों और विधायकों ने अपने खिलाफ ''नफरती भाषण'' से संबंधित मामलों की घोषणा की है। यह विश्लेषण सांसदों और विधायकों द्वारा पिछला चुनाव लड़ने से पहले दिए गए हलफनामों पर आधारित है। विश्लेषण के अनुसार, 33 सांसदों ने अपने खिलाफ नफरती भाषण से संबंधित मामलों की घोषणा की है, जिनमें से सात उत्तर प्रदेश से, चार तमिलनाडु से, तीन-तीन बिहार, कर्नाटक और तेलंगाना से जबकि दो-दो असम, गुजरात, महाराष्ट्र और पश्चिम बंगाल से तथा एक-एक झारखंड, मध्य प्रदेश, केरल, ओडिशा और पंजाब से हैं।

एडीआर ने कहा कि पिछले पांच वर्षों में नफरती भाषण के आरोप से संबंधित घोषित मामलों वाले 480 उम्मीदवारों ने राज्य विधानसभाओं, लोकसभा और राज्यसभा का चुनाव लड़ा है। इसमें कहा गया है कि नफरत फैलाने वाले भाषण से संबंधित मामलों वाले 22 सांसद सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से, दो कांग्रेस से और एक-एक आम आदमी पार्टी, एआईएमआईएम, एआईयूडीएफ, द्रमुक, अन्नाद्रमुक, पीएमके, शिवसेना (यूबीटी) और वीसीके से हैं जबकि एक निर्दलीय सांसद पर भी नफरती भाषण का मामला दर्ज है। एडीआर के मुताबिक, 74 विधायकों ने अपने खिलाफ नफरती भाषण से संबंधित मामलों की घोषणा की है। इनमें बिहार और उत्तर प्रदेश से नौ-नौ, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र और तेलंगाना से छह-छह, असम और तमिलनाडु से पांच-पांच, दिल्ली, गुजरात और पश्चिम बंगाल से चार-चार, झारखंड और उत्तराखंड से तीन-तीन, कर्नाटक, पंजाब, राजस्थान और त्रिपुरा से दो-दो जबकि मध्य प्रदेश और ओडिशा से एक-एक विधायक शामिल हैं।

सरकार ने अप्रैल, 2025 से इलेक्ट्रिक डेटोनेटर के विनिर्माण, उसे रखने, आयात पर लगाया प्रतिबंध

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने सुरक्षा चिंताओं और सार्वजनिक सुरक्षा के मद्देनजर अप्रैल, 2025 से इलेक्ट्रिक डेटोनेटर के विनिर्माण, उसे रखने और आयात पर प्रतिबंध लगाने का फैसला किया है।

उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार, केंद्र सरकार का मानना है कि इलेक्ट्रिक डेटोनेटर ''खतरनाक'' हैं। सुरक्षा चिंताओं तथा सार्वजनिक सुरक्षा के लिए इलेक्ट्रिक डेटोनेटर के निर्माण, उसे रखने और आयात पर रोक लगाना उचित है। अधिसचूना में कहा गया है कि सरकार ने संबंधित उद्योग के हितधारकों के साथ चर्चा के बाद सार्वजनिक हित में इसका उत्पादन 2024-2025 के अंत तक पूरी तरह से बंद करने का फैसला किया है।

इस 29 सितंबर की अधिसूचना में कहा गया, '' केंद्र सरकार इसके जरिये एक अप्रैल, 2025 से पूरे देश में इलेक्ट्रिक डेटोनेटर के निर्माण, उसने रखने और आयात पर प्रतिबंध लगाती है।''

पुलिस ने बच्चों को बेचने वाले गिरोह का भंडाफोड़ किया, 6 महिलाएं गिरफ्तार

मुंबई/भाषा। मुंबई पुलिस ने बच्चों को बेचने वाले एक गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए छह महिलाओं को गिरफ्तार किया है जिन्होंने यहां एक नवजात शिशु को कथित तौर पर पांच लाख रुपये में बेचा था। एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अधिकारी के अनुसार, पुलिस को सूचना मिली थी कि ट्राम्बे क्षेत्र में एक फर्जी नर्सिंग होम चलाया जा रहा है और परिसर में बिना किसी दस्तावेज के एक महिला को पांच लाख रुपये में एक बच्चा बेचा गया है। उन्होंने बताया कि पुलिस ने सोमवार को एक जाल बिछाकर दो महिलाओं को पकड़ लिया और उनके कब्जे से एक बच्चे को बरामद किया।

अधिकारी ने बताया कि दोनों ने गिरोह में शामिल चार अन्य महिलाओं के बारे में जानकारी दी जिनमें से एक फर्जी चिकित्सक है। आरोपियों में से एक महिला पर इसी तरह के अपराध के छह मामले दर्ज हैं। पुलिस के अनुसार महिलाओं को गिरफ्तार किया गया है।

तेल उत्पादक अब उपभोक्ता देशों के लिए संवेदनशीलता दिखाएं : पुरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने मंगलवार को कहा कि कच्चे तेल की कीमतें बढ़ने से तेल आयातक देशों की चुनौतियां बढ़ गई हैं। लिहाजा इन देशों को मंदी एवं सुस्ती में जाने से बचाने के लिए तेल उत्पादक देशों को संवेदनशीलता दिखानी चाहिए। पुरी ने अबु धाबी में आयोजित एडीआईपीईसी सम्मेलन से इतर तेल उत्पादक देशों के संगठन ओपेक के महासचिव हैसम अल गाएस से मुलाकात में इसका जिक्र किया। इस बैठक में दोनों नेताओं के बीच बदलते तेल परिदृश्य को लेकर चर्चा हुई।

मंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर इस मुलाकात का ब्योरा देते हुए कहा, भारत 101 अरब डॉलर मूल्य का कच्चा तेल एवं अन्य पेट्रोलियम उत्पाद ओपेक देशों से आयात करता है। मैंने इस मुलाकात में इस बात का उल्लेख किया कि किफायती ईंधन तक पहुंच होना सामाजिक उन्नति के लिए जरूरी है।

भारत अपनी तेल जरूरतों का 85 प्रतिशत आयात से ही पूरा करता है। पिछले दो महीनों में कच्चे तेल के दाम बढ़ने से खुदरा तेल वितरक कंपनियों पर दबाव बढ़ा है और इसका असर बजट पर पड़ने और ईंधन मुद्रास्फीति को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। पुरी ने कहा, महामारी के दौरान कच्चे तेल के दाम धड़ाम होने पर दुनिया इसकी कीमतों को उत्पादक देशों के लिए टिकाऊ स्तर पर रखने के लिए आगे आई थी।

राहुल गांधी ने लगातार दूसरे दिन स्वर्ण मंदिर के लंगर में सेवा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अमृतसर/भाषा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी लगातार दूसरे दिन मंगलवार को यहां स्वर्ण मंदिर पहुंचे और 'लंगर' में 'सेवा' की। लंगर कक्ष पहुंचने के बाद गांधी ने सब्जियां छील कर और फिर बर्तन धो कर सेवा की।

कांग्रेस नेता ने सिर पर नीले रंग का 'पटका' बांधा हुआ था और उन्होंने श्रद्धालुओं को लंगर (प्रसाद) भी परोसा। बाद में उन्होंने ज़मीन पर बैठकर लंगर छका। उन्होंने अपना ज्यादातर वक्त लंगर (सामुदायिक रसोई) में ही बिताया। गांधी अमृतसर पहुंचने के बाद सोमवार को स्वर्ण मंदिर गए थे। उन्होंने श्रद्धालुओं को पानी देकर और बर्तन साफ कर सेवा की थी।

कांग्रेस नेता ने 'शबद कीर्तन' (धर्मिक भजन) भी सुना था। गांधी ने पारंपरिक अनुष्ठान 'पालकी सेवा' में भी हिस्सा लिया था, जो समापन अनुष्ठान है, जिसमें गुरु ग्रंथ साहिब को 'सुखासन' के लिए अकाल तख्त ले जाया जाता है। पंजाब के प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वडिंग ने सोमवार को कहा था कि गांधी स्वर्ण मंदिर की निजी यात्रा पर आए हुए हैं।

पहली छमाही में भारतीय कंपनियों की वित्तीय 'सेहत' कमजोर हुई : क्रिसिल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। रेटिंग एजेंसी क्रिसिल ने मंगलवार को कहा कि भारतीय कॉरपोरेट जगत की वित्तीय सेहत चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में थोड़ी नरम हुई है और दूसरी छमाही में इसमें और गिरावट आने की आशंका है।

देशभर की करीब 6,500 कंपनियों की रेटिंग करने वाली क्रिसिल रेटिंग्स ने यह अनुमान कंपनियों के कर्ज अनुपात यानी उनकी रेटिंग में सुधार (अपग्रेड) एवं गिरावट (डाउनग्रेड) को ध्यान में रखते हुए लगाया है।

हालांकि, रेटिंग एजेंसी ने साफ किया कि आगे भी कर्ज अनुपात एक से ऊपर ही बना रहेगा। इसका मतलब है कि कंपनियों की रेटिंग में सुधार की संख्या गिरावट से अधिक रहेगी। एजेंसी के मुताबिक, अप्रैल-सितंबर 2024 में 443 अपग्रेड किए गए जबकि डाउनग्रेड की संख्या 232 रही। इस तरह भारतीय कंपनी जगत का कर्ज अनुपात 1.91 रहा जो इससे पहले की छमाही में 2.19 था।

क्रिसिल के प्रबंध निदेशक गुरप्रीत छटवाल ने कहा कि वित्त वर्ष 2023-24 की पहली छमाही में कंपनियों की वित्तीय सेहत का नरम होना अपेक्षा के अनुरूप ही है। सरकार के ढांचागत परियोजनाओं पर खर्च बढ़ाने से कॉरपोरेट जगत को सकारात्मक कर्ज अनुपात हासिल करने में मदद मिल रही है।

हालांकि, छटवाल ने कहा कि मुद्रास्फीति की ऊंची दर, कच्चे तेल की कीमतों में उछाल और बारिश के असमान वितरण से भारतीय कॉरपोरेट जगत की वित्तीय सेहत के लिए चुनौती बरकरार है।

उपग्रह 'तारामंडल' रात के समय आकाश अवलोकन में बाधा डाल सकते हैं : खगोलविद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पृथ्वी की परिक्रमा कर रहे बड़े उपग्रहों के समूहों ने खगोलविदों की चिंता बढ़ा दी है क्योंकि ये रात के समय आकाश में तारों का अवलोकन की उनकी क्षमता को बाधित कर सकते हैं। वैज्ञानिकों की एक अंतरराष्ट्रीय टीम ने नेचर पत्रिका में एक शोधपत्र प्रकाशित किया है, जिसमें खगोल विज्ञान पर प्रोटोटाइप ब्लूवॉकर 3 उपग्रह के प्रभाव का विवरण दिया गया है। इस टीम में इंपीरियल कॉलेज लंदन के वैज्ञानिक भी शामिल हैं।

ब्लूवॉकर 3 एक प्रोटोटाइप उपग्रह है, जो इसका स्वामित्व रखने वाली कंपनी एएसटी स्पेसमोबाइल द्वारा नियोजित उपग्रह समूह का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य दुनिया में कहीं भी मोबाइल या ब्रॉडबैंड सेवाएं प्रदान करना है। अनुसंधानकर्ताओं ने कहा कि ब्लूवॉकर 3 के अवलोकन से पता चला है कि यह रात के आकाश में सबसे चमकदार वस्तुओं में से एक था, जिसकी चमक ने सभी चमकदार तारों की चमक को फीका कर दिया। दुनिया भर में कई कंपनियों ने ऐसे उपग्रह तारामंडल की परिकल्पना की है।

पृथ्वी के करीब इनकी स्थिति और अपेक्षाकृत बड़े आकार के कारण, रात के समय आकाश के अवलोकन को बाधित करने की इनकी क्षमता अधिक है तथा यही कारण है कि खगोलविद इन नक्षत्रों, या उपग्रहों के समूहों के बारे में चिंता जता रहे हैं। इंपीरियल कॉलेज में भौतिकी विभाग के डेव क्लेमेंट्स ने कहा, रात का आकाश एक अनोखी प्रयोगशाला है जो वैज्ञानिकों को ऐसे प्रयोग करने की अनुमति देता है जो स्थलीय प्रयोगशालाओं में नहीं किए जा सकते।'' उन्होंने कहा, ''प्राचीन समय का रात्रि आकाश भी मानवता की साझा सांस्कृतिक विरासत का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है और इसे बड़े पैमाने पर समाज एवं आने वाली पीढ़ियों के लिए संरक्षित किया जाना चाहिए।''

केरल माकपा नेता की हिजाब संबंधी टिप्पणी पर हंगामा, वाम दल ने बयान खारिज किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के एक नेता द्वारा मुस्लिम महिलाओं द्वारा पहने जाने वाले 'हिजाब' को लेकर कथित रूप से एक विवादित टिप्पणी करने के बाद सत्तारूढ़ पार्टी सांसत में फंस गई है । इसके बाद सत्तारूढ़ दल को कई धार्मिक संगठनों और राजनीतिक दलों ने निशाने पर ले लिया।

केरल में राजनीतिक विवाद के बीच माकपा ने पार्टी की राज्य कमेटी के सदस्य के. अनिल कुमार की टिप्पणी को खारिज करते हुए कहा कि अपनी पसंद के अनुसार कपड़े पहनना किसी भी व्यक्ति का मौलिक अधिकार है और पार्टी को इस पर कोई राय व्यक्त करने की जरूरत नहीं है। विपक्षी कांग्रेस ने सत्तारूढ़ दल की आलोचना करते हुए कुमार के बयान को 'अनुचित और बेतुका' बताया है।

बाद में, कुमार ने फेसबुक पर लिखे एक पोस्ट में कहा कि वह इस मामले पर पार्टी के रूख का समर्थन करेंगे। नास्तिक संगठन ' एससेंस ग्लोबल' की ओर से आयोजित एक हालिया कार्यक्रम में कुमार ने कहा था कि मार्क्सवादी पार्टी के प्रभाव के कारण मुस्लिम बहुल मलप्पुरम जिले में महिलाओं ने हिजाब 'थमत्तम' छोड़ दिया है। उनकी टिप्पणी से नाराज़ प्रभावशाली सुन्नी उलेमा संगठन 'समस्त' ने कहा कि इसके जरिए माकपा के 'दोहरे मापदंड' उजागर हो गए हैं।

इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) के नेता के एम शाजी और केपीए मजीद ने भी माकपा नेता कुमार की निंदा की है।

शाजी ने फेसबुक पर आरोप लगाया कि माकपा ने दो दल तैयार किए हैं एक तर्कवादियों के बीच जाकर आस्थावानों के खिलाफ बोलने के लिए और दूसरा आस्थावानों की बैठकों में हिस्सा लेने और उनकी प्रशंसा करने के लिए। उन्होंने समुदाय से सवाल किया कि क्या वे अब भी यकीन करना चाहते हैं कि साम्यवाद सही है।

आईयूएमएल के वरिष्ठ विधायक मजीद ने कहा कि कुमार की टिप्पणी ने वाम दल के नेतृत्व की असली मंशा को उजागर कर दिया है।

एससी-एसटी, ओबीसी आरक्षण की अवधारणा अल्पसंख्यक संस्थानों पर लागू नहीं होगी : मद्रास उच्च न्यायालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। मद्रास उच्च न्यायालय ने कहा है कि अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षण की अवधारणा अल्पसंख्यक संस्थानों पर लागू नहीं होगी।

मुख्य न्यायाधीश एस वी गंगापुरवाला और न्यायधीश पी डी औदिकेसवालू की पीठ ने अपने एक निर्णय में यह बात कही। इसके साथ ही पीठ ने शहर के जस्टिस बशीर अहमद सैयद कॉलेज फॉर वुमेन की एक अपील और याचिका को आंशिक रूप से मंजूर कर लिया जिसमें कॉलेज के धार्मिक अल्पसंख्यक दर्जा के विस्तार को खारिज करने वाले नवंबर 2021 के आदेश को चुनौती दी गई है।

कॉलेज ने स्थायी धार्मिक अल्पसंख्यक दर्जा का प्रमाणपत्र जारी करने का निर्देश देने का भी अनुरोध किया । पीठ ने कहा कि हालांकि शैक्षिक संस्थानों में प्रवेश के लिए सामाजिक और शैक्षणिक

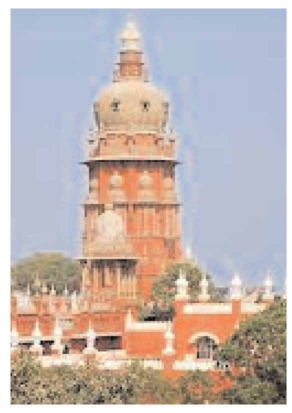

रूप से पिछड़े वर्गों, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षण लागू किया गया था, लेकिन अल्पसंख्यक शैक्षणिक संस्थानों को भारत के संविधान के अनुच्छेद 15 (5) से बाहर रखा गया था। पीठ ने कहा कि संविधान का अनुच्छेद 15(5) राज्य को किसी अल्पसंख्यक शैक्षणिक संस्थान को अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति या पिछड़े वर्ग के छात्रों को प्रवेश देने के लिए मजबूर करने का अधिकार नहीं देता। पीठ ने कहा कि अल्पसंख्यक संस्थानों को अल्पसंख्यक समुदाय से 50 प्रतिशत छात्रों को और अन्य समुदायों के 50 प्रतिशत छात्रों को प्रवेश देने की अनुमति दी गई थी। पीठ ने कहा, अल्पसंख्यक दर्जा कोई स्थायी दर्जा नहीं है...। उसने कहा कि सक्षम प्राधिकारी नियामक उपायों और पर्यवेक्षी उपायों को अपना सकता है।

पीठ ने कहा कि राज्य सरकार को अल्पसंख्यक समुदाय के छात्रों को प्रवेश देने की सीमा 50 प्रतिशत तक लागू करने का अधिकार होगा।

मेरी माटी मेरा अभियान के तहत

अभिनेता शिवाजी गणेशन के घर से पवित्र मिट्टी एकत्र की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। 'मेरी माटी मेरा देश' कार्यक्रम के तहत ब्लॉक स्तर पर राष्ट्रीय भाजपा द्वितीय चरण के तहत मंगलवार को पूर्व एमएलसी, भाजपा राष्ट्रीय सह प्रभारी तमिलनाडु राज्य डॉ पोंगुलेटी सुधाकर रेड्डी ने चेन्नई के टीनगर स्थित महान अभिनेता श्रीशिवाजी गणेशन के निवास पर उनके पुत्र श्रीरामकुमार के हाथों से आंगन की पवित्र मिट्टी एकत्र की।

इस मौके पर भाजपा के अनेक नेता उपस्थित थे। 'मेरी माटी, मेरा देश' यह देशभक्ति और राष्ट्रीय अखंडता को विकसित करने और हमारे महान स्वतंत्रता सेनानियों, सीमा सुरक्षा बलों और राष्ट्र की सेवा में लगे अन्य व्यक्तित्वों के सर्वोच्च बलिदानों को याद करने के लिए चल रहा कार्यक्रम है। यह कार्यक्रम हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जेपी नड्डा जी के आह्वान पर आयोजित किया जा रहा है।

देश भर से सभी कलश विभिन्न घरों और पवित्र स्थानों से मिट्टी एकत्र करके पौधों के साथ 29 अक्टूबर को युद्ध स्मारक स्थल के पास कर्तव्य पथ पर पहुंचेंगे। जहां 7500 कलशों को अमृता वाटिका में रखा जाएगा। बाद में, प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी सभा को संबोधित करेंगे। तमिलनाडु में मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम का दूसरा चरण 3 से 13 अक्टूबर तक डॉ. सुधाकर रेड्डी की उपस्थिति में शुरू किया गया है।

मेरी 170वीं फिल्म सामाजिक संदेश देने के साथ काफी मनोरंजक होगी : रजनीकांत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। सुपरस्टार रजनीकांत ने मंगलवार को कहा कि वह जल्द ही अपनी 170वीं फिल्म की शूटिंग शुरू करेंगे, जो एक सामाजिक संदेश देने के साथ ही काफी मनोरंजक होगी। फिलहाल इस फिल्म के नाम की घोषणा नहीं की गई है। इसके निर्माण की घोषणा मार्च में की गई थी, जिसे लाइका प्रोडक्शंस बना रही है। इसका निर्देशन टी. जे. ज्ञानवेल करेंगे, जिनकी फिल्म 'जय भीम' बहुचर्चित रही थी।

रजनीकांत(72) ने तिरुवनंतपुरम के लिए रवाना होने से पहले हवाई अड्डे पर संवाददाताओं से कहा,'मैं अपनी 170वीं फिल्म निर्देशक ज्ञानवेल और लाइका के साथ कर रहा हूं, जो काफी मनोरंजक होने के साथ-साथ सामाजिक संदेश भी देगी।' रजनीकांत ने कहा,'मैं फिल्म की शूटिंग के लिए जा रहा हूं और फिल्म का नाम अभी तय नहीं हुआ है।'

अनिरुद्ध रविचंदर इस तमिल फिल्म का संगीत तैयार करेंगे और इसके निर्माता सुबाष्करण हैं। लाइका प्रोडक्शन्स ने मंगलवार को 'एक्स' पर घोषणा की कि अभिनेता फहाद फासिल और राणा दग्गुबाती फिल्म में रजनीकांत के साथ नजर आएंगे। वहीं, इसमें रितिका सिंह, मंजू वारियर और दुशारा विजयन की भी भूमिका है।

मुलाकात : कोयंबतूर में पीलेमेडु स्थित कृष्णमाल महिला कॉलेज और उसके पश्चात सरकारी गोपाल नायडू गर्ल्स हाई स्कूल में विद्यार्थियों से सवाल जवाब कार्यक्रम में भाग लेती हुई केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण। स्कूली बच्चों ने उन्हें चन्द्रयान का मॉडल भेंट किया। उनके साथ विधायक एवं भाजपा की राष्ट्रीय महिला मोर्चो की अध्यक्ष वानसी श्रीनिवासन भी मौजूद थीं।

कभी सोचा नहीं था कि वित्त मंत्री बनूंगी : सीतारमण

कोयंबटूर/भाषा। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को कहा कि उन्होंने देश की वित्त मंत्री बनने के बारे में कभी नहीं सोचा था। इसके साथ ही उन्होंने थोड़े दार्शनिक अंदाज में कहा कि 'कुछ असीम कृपा' सबसे ऊपर होती है।

सीतारमण ने यहां एक कार्यक्रम में शिरकत करते हुए कहा, ''क्या मैंने देश का वित्त मंत्री बनने के बारे में सोचा था? एकदम नहीं। मेरी कोई राजनीतिक पृष्ठभूमि नहीं थी और फिर भी एक दिन मैं ऐसा करने में सफल रही।'' उन्होंने कहा, ''मैं यहां आध्यात्मिक हो रही हूं। सिर्फ भगवान से प्रार्थना करने के बजाय हमें ईमानदार प्रयास करना चाहिए। लेकिन यह कभी न भूलें कि अनंत कृपा के बिना आप वहां (अपने गंतव्य तक) नहीं पहुंच सकते।'' सीतारमण ने पीएसजी आर कृष्णम्मल कॉलेज फॉर वुमेन में कहा, ''मुश्किल समय में मैं खुद को यह याद दिलाती हूं कि आपको वह ताकत देने के लिए कोई अलौकिक शक्ति है। मैं हमेशा कहती हूं कि आप (भगवान) मुझे यहां तक लाए हैं, कृपया मुझे इस बाधा को दूर करने का रास्ता दिखाएं। मैं यही प्रार्थना करती हूं।'' उन्होंने यहां कोडिसिया डिफेंस इनोवेशन और अटल इन्क्यूबेशन सेंटर का भी दौरा किया।

हमारी सरकार सांप्रदायिक हिंसा से निपटने को लेकर सख्त है : सिद्दरामैया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेलगावी। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने शिवमोगा में एक अक्टूबर को एक धार्मिक जुलूस के दौरान हुई पथराव की घटना का जिक्र करते हुए मंगलवार को कहा कि उनकी सरकार सांप्रदायिक हिंसा की घटनाओं से निपटने के वास्ते सख्त कार्रवाई के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कुछ नेताओं के इन आरोपों को खारिज किया कि मई में कांग्रेस के सत्ता में आने के बाद राज्य में सांप्रदायिक हिंसा की घटनाएं बढ़ी हैं।

सिद्दरामैया ने संवाददाताओं से कहा, उनके (भाजपा) पास आरोप लगाने के अलावा क्या काम है? उनका एकमात्र काम आरोप लगाना है। ये आरोप बिलकुल झूठे हैं। उन्होंने कहा कि पथराव की घटनाओं में शामिल कुछ उपद्रवियों को गिरफ्तार कर लिया गया है और उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू की जा रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा, हमारी सरकार सांप्रदायिक घटनाओं को तुरंत रोकने के लिए सख्त कार्रवाई करती है। ऐसी घटनाओं में शामिल लोगों के खिलाफ भी सख्त कार्रवाई की जाती है। शिवमोग्गा में रविवार को उपद्रवियों ने दो इलाकों में ईद मिलाद-उन-नबी जुलूस के दौरान पथराव किया था। इस घटना में कुछ घरों की खिड़कियों के शीशे और वाहन भी क्षतिग्रस्त हो गए थे।

रेल यात्रा करने वाले यात्री दें ध्यान

रेलवे के समय सारिणी में हुआ परिवर्तन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। दक्षिण पश्चिम रेलवे के बेंगलूरु डिविजन की अतिरिक्त डिविजन मंडल प्रबंधक श्रीमती कुसुमा हरिप्रसाद ने मंगलवार को डीआरएम मुख्यालय में संवाददाताओं को बताया कि अक्टूबर 1 तारीख से रेलवे के समय सारिणी में परिवर्तन किया जाता है।

दक्षिण पश्चिम रेलवे 568 ट्रेनों का परिचालन करती है जिसमें यहां से चलने वाली और यहां समाप्त होने वाली तथा यहां से निकलने वाली ट्रेनें शामिल हैं। इसमें 314 ट्रेनों के समय, आवृत्ति, गंतव्य आदि में परिवर्तन किया गया है। अतिरिक्त डीआरएम कुसुमा हरिप्रसाद ने बताया कि बेंगलूरु मंडल से 396 ट्रेनों का परिचालन होता है जिसमें प्रतिदिन के साथ साप्ताहिक, द्वि सप्ताहिक एवं त्रिसप्ताहिक ट्रेनें शामिल हैं। वहीं प्रतिदिन 264 ट्रेनों का संचालन बेंगलूरु मंडल करता है। जिसमें 205 एक्सप्रेन ट्रेनें हैं वहीं 59 पैसेंजर ट्रेनें हैं। 292 ट्रेनों की समय में परिवर्तन किया गया है। केएसआर बेंगलूरु से प्रतिदिन औसत 153 ट्रेनें चलती हैं वहीं यशवंतपुर से प्रतिदिन औसत 104 ट्रेनें हैं। हाल ही में बनें अत्याधुनिक एसएमवीटी बैयप्पनहल्ली रेलवे स्टेशन से 25 ट्रेनें प्रतिदिन संचालित की जाती हैं। उन्होंने बताया कि नई समय सारिणी के अनुसार कई ट्रेनों की गति को बढ़ाया गया है। नई ट्रेनों का संचालन शुरु किया गया है। ट्रेनों की आवृत्ति बढ़ाई गई है, ट्रेनों को गंतव्य बढ़ाए गए हैं, नए स्टेशनों पर ट्रेनों का ठहराव बढ़ाए गए हैं। कई ट्रेनों की गति बढ़ाई गई है जिससे उनके यात्रा समय में 5 से लेकर 70 मिनट तक की कमी आई है। नई ट्रेनों में 3 वंदे भारत एक्सप्रेस धारवाड़, चेन्नई एवं काचीगुड़ा के लिए एवं ट्रेन नं. 16585/16586 एसएमवीटी से जसिडीह सुपरफास्ट एक्सप्रेस है। वहीं तीन ट्रेनों को अपने निर्धारित स्टेशनों से आगे बढ़ाया गया है।

उन्होंने बताया कि समय सारिणी में परिवर्तन हुए हैं। यात्रा करने वाले यात्री रेलवे की अधिकृत वेबसाइट पर जाकर या क्यूआर कोड को स्कैन कर समय सारिणी देख सकते हैं। या अधिक जानकारी के लिए फोन नं. 139 पर सम्पर्क कर सकते हैं।

योजना — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कोयम्बटूर में कोडिसा प्रगति मैदान में मंगलवार को केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमन के 3748 करोड़ के क्रेडिट लोन का वितरण किया। इस मौके पर 5 हजार से अधिक लाभाथी उपस्थित थे। इस कार्यक्रम में कोयंबतूर के विधायक और भाजपा राष्ट्रीय महिला अध्यक्ष वानती श्रीनिवासन, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष कनक सबापति, पोलाची के एआईएडीएमके विधायक पोलाची जयरामन, एआईएडीएमके विधायक अमूल कंदस्वामी, एआईएडीएमके विधायक सेल्वराज मोजूद थे।

शिवमोग्गा में पथराव की घटना की न्यायिक जांच हो : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलार। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता और पूर्व मंत्री सी. टी. रवि ने शिवमोग्गा में एक धार्मिक जुलूस के दौरान हुई पथराव की घटना की मंगलवार को न्यायिक जांच की मांग की। चामराजनगर जिले में संवाददाताओं से बात करते हुए केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री शोभा करंदलाजे ने राज्य सरकार पर तुष्टिकरण की राजनीति के प्रभाव में पुलिस के हाथ बांधने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि यही कारण है कि मामले में निष्क्रियता बरती गई और पथराव होने दिया गया।

उन्होंने कहा, 'जुलूस में तलवारें लहराना, अखंड भारत के नक्शे को हरे रंग से रंगना और उस पर औरंगजेब की तस्वीर के साथ उनका महिमामंडन करना, हिंदुओं को मारने वाले टीपू और औरंगजेब के बैनर लगाना- यह दर्शाता है कि वे किस तरह की संस्कृति चाहते हैं।'

करंदलाजे ने मुख्यमंत्री सिद्दरामैया और परमेश्वर (गृह मंत्री) पर इसका समर्थन करने का आरोप लगाया।

पुलिस ने बताया कि शिवमोग्गा के रागी गुडा इलाके में स्थिति शांतिपूर्ण और नियंत्रण में है। इस इलाके में ईद मिलाद-उन-नबी जुलूस के दौरान तनाव एवं पथराव की कथित घटनाओं के बाद निषेधाज्ञा लागू की गई थी।

शोभा करंदलाजे ने सिद्दरामैया से सवाल करते हुए कहा कि क्या वह केवल मुस्लिमों के कारण ही सत्ता में आए। उन्होंने कहा, हिंदुओं की रक्षा कौन करेगा? और उन्होंने कांग्रेस पर तुष्टिकरण की राजनीति के लिए ऐसा होने देने का आरोप लगाया।

भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव रवि ने भी कांग्रेस पर तुष्टिकरण की राजनीति करने का आरोप लगाया। रवि ने आरोप लगाते हुए कहा, राज्य सरकार को इस घटना की जिम्मेदारी लेनी होगी, सरकार ने तुष्टिकरण की राजनीति के लिए ऐसा होने दिया.... टीपू (सुल्तान) और औरंग़ज़ेब अपने समय के दहशतगर्द थे, उन्होंने अपनी राजनीतिक शक्ति का इस्तेमाल हिंदुओं के नरसंहार के लिए किया और भारतीय पहचान को नष्ट करने की कोशिश की, ऐसे लोगों की पूजा करना देशद्रोह है।

उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि घटना के पीछे के लोगों का पता लगाने के लिए न्यायिक जांच करानी चाहिए और मैं इसके लिए आग्रह करता हूं। जुलूस के दौरान तलवारें नहीं लहराए जाने के गृहमंत्री परमेश्वर के बयान पर रवि ने उन्हें 'नाकारा' करार देते हुए कहा कि सरकार खुद ही अक्षम है।

शिवमोग्गा में धार्मिक जुलूस के दौरान हिंसा के संबंध में 60 व्यक्ति गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/शिवमोग्गा। शिवमोग्गा जिला मुख्यालय शहर में एक धार्मिक जुलूस के दौरान हुई हिंसा के संबंध में अब तक 24 मामले दर्ज किए गए हैं और 60 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। यह जानकारी पुलिस ने मंगलवार को दी। पुलिस ने कहा कि शिवमोग्गा शहर के रागी गुडा इलाके में स्थिति अब शांतिपूर्ण और नियंत्रण में है, जहां रविवार को पथराव की घटनाओं के बाद तनाव व्याप्त होने के बाद निषेधाज्ञा लागू कर दी गई थी।

शिवमोग्गा के पुलिस अधीक्षक जी. के. मिथुन कुमार ने शिवमोगा में संवाददाताओं से कहा, रागी गुडा घटना के संबंध में हमने 24 प्राथमिकी दर्ज की हैं और हमने 60 लोगों को हिरासत में लिया है और उन्हें गिरफ्तार किया है। रागी गुडा क्षेत्र में स्थिति अब शांतिपूर्ण है और शिवमोगा शहर पर इसका कोई असर नहीं है।

कर्नाटक के गृहमंत्री जी. परमेश्वर ने बेंगलूरु में कहा, 'सब कुछ नियंत्रण में है, चिंता की कोई बात नहीं है... जांच जारी है... एडीजीपी कानून एवं व्यवस्था को वहां भेजा गया था, वह वहां रूके थे और अब वापस आ गए हैं...जांच पूरी होने पर वे मुझे एक रिपोर्ट देंगे।' स्कूल शिक्षा मंत्री एवं शिवमोग्गा जिले के प्रभारी मंत्री मधु बंगारप्पा ने आज रागी गुडा इलाके में कुछ घरों का दौरा किया, जिन पर रविवार की घटना के दौरान पथराव किया गया था। बंगारप्पा ने कहा कि कुछ दृश्यों में कथित तौर पर जुलूस के दौरान दिख रही तलवारें असली नहीं हैं और प्लास्टिक या कार्डबोर्ड से बनी हुई थीं... हमारी परंपरा में हम त्रिशूल रखते हैं, उसी तरह यहां भी, इसे हिंसा से न जोड़ें। यदि उनका इस्तेमाल हिंसा के लिए किया गया है तो पुलिस कार्रवाई करेगी।

मिथुन कुमार ने कहा कि शिवमोगा शहर में व्यवसाय और अन्य गतिविधियां सामान्य रूप से चल रही हैं। उन्होंने कहा, घटना के बाद भी, उस दिन रात 11:30 बजे तक शहर में ईद-मिलाद का जुलूस शांतिपूर्वक निकला। शिवमोग्गा शहर के बाहरी क्षेत्र रागी गुडा इलाके में ही यह घटना देखी गई, मैं भी व्यक्तिगत रूप से वहां मौजूद था, हमने (पुलिस) कदम उठाए और आधे घंटे के भीतर स्थिति को नियंत्रित कर लिया। दोषियों को गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस अधीक्षक ने कहा कि केवल रागी गुडा क्षेत्र में कुछ पाबंदियां हैं और स्थिति का आकलन करने के बाद इसे वापस ले लिया जाएगा। एसपी ने कहा कि चिंता की आवश्यकता नहीं है और दोषियों को कड़ी सजा दी जाएगी। उन्होंने कहा कि घटनास्थल के दौरे के दौरान उन्हें पता चला कि सभी समुदाय के लोगों के घरों पर पथराव किया गया। उन्होंने कहा, अपराधी अपराधी हैं, चाहे वे किसी भी समुदाय के हों, क्योंकि पथराव करना गलत है....निर्दोषों को चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है। उन लोगों के खिलाफ मामले दर्ज किए गए हैं, जिनके खिलाफ फोटो और वीडियो सबूत हैं। बाहरी लोगों की संलिप्तता और उपद्रवियों द्वारा एक वैन का इस्तेमाल किए जाने की खबरों के बारे में पूछे गए एक सवाल का जवाब देते हुए मिथुन कुमार ने कहा कि वाहन का पता लगा लिया गया है और जांच जारी है और हमने उन लोगों से पूछताछ की है जिन्होंने इसका इस्तेमाल किया था। उन्होंने कहा, इस पर अटकलें न लगायें, किसी निष्कर्ष पर न पहुंचें और लोगों के बीच दहशत उत्पन्न न करें, जांच जारी है और सभी पहलुओं पर गौर किया जाएगा। पुलिस के अनुसार, कथित तौर पर रविवार शाम को ईद मिलाद जुलूस पर पथराव होने की अफवाह के बाद गुस्साई भीड़ ने कुछ घरों और वाहनों पर पथराव किया जिसमें पुलिसकर्मियों सहित कई लोग घायल हो गए। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि भीड़ को तितर-बितर करने के लिए उन्हें लाठीचार्ज करना पड़ा।

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया Union Bank of India — भारत सरकार का उपक्रम / A Government of India undertaking

क्षेत्रीय कार्यालय - कांचीपुरम
नं. 168, लिंगी चेट्टी स्ट्रीट,
पैरीज़ कॉर्नर, जॉर्ज टाउन,
चेन्नई - 600001

लीज(पट्टे) पर परिसर की जरूरत

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया को किराए/पट्टे पर, रिटेल लोन प्वाइंट (आरएलपी) और एमएसएमई लोन प्वाइंट (एमएलपी) के साथ प्रस्तावित क्षेत्रीय कार्यालय के लिए, तैयार स्वामित्व / निर्माणाधीन सुव्यवस्थित वाणिज्यिक परिसर की जरूरत है, अधिमानतः भूतल/प्रथम तल/उच्च तल पर लिफ्ट सुविधा के साथ अच्छे फ्रंटेज, मुख्य सड़क के सामने, जो अच्छी दृश्यता और अन्य सुविधाओं के साथ पर्याप्त पार्किंग स्थान से युक्त हो। अगर जरूरत पड़े तो मकान मालिक को अपनी लागत पर आरबीआई विनिर्देश के अनुसार स्ट्रॉन्ग रूम का निर्माण कराना चाहिए। अधिक जानकारी के लिए कृपया बैंक की वेबसाइट पर जाएं। उपर्युक्त सुविधा वाले परिसर की जरूरत कांचीपुरम जिले और उसके आसपास में है तथा विवरण इस प्रकार हैं:

शाखा का नाम	कार्पेट एरिया चाहिए (स्ट्रॉन्ग रूम एरिया को शामिल करते हुए)	बोली शुरू होने की तिथि	बोली-पूर्व बैठक की तारीख	बोली समाप्त होने की तिथि
रीटेल लोन प्वाइंट (आरएलपी) और एमएसएमई लोन प्वाइंट (एमएलपी) के साथ क्षेत्रीय कार्यालय कांचीपुरम	6000 वर्ग फीट (± 10%)	04.10.2023 को सुबह 10.00 बजे	09.10.2023 को सुबह 11.00 बजे	31.10.2023 को अपराह्न 3.00 बजे

मालिकों की ओर से स्वामित्व या बातचीत करने की शक्ति रखने वाले भावी मकान मालिक तकनीकी बोली/मूल्य बोली प्रारूप यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, क्षेत्रीय कार्यालय कांचीपुरम, वर्तमान में लिंगी चेट्टी स्ट्रीट, पैरीज़ कॉर्नर, चेन्नई-600001 से कार्यालय समय के दौरान प्राप्त कर सकते हैं या वेबसाइट www.unionbankofindia.co.in या https://eprocure.gov.in से डाउनलोड कर सकते हैं तथा उन्हें अपनी तकनीकी बोलियां और मूल्य बोलियां दो अलग-अलग सीलबंद लिफाफों में प्रस्तुत करनी होंगी, जिन पर तकनीकी/मूल्य बोली लिखा हो, दोनों को तीसरे लिफाफे में रखा गया हो, जिस पर **'लीज/किराए के आधार पर कांचीपुरम जिले और उसके आस-पास आरएलपी/एमएलपी के साथ यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के क्षेत्रीय कार्यालय परिसर के लिए प्रस्ताव'** लिखा हो, **31.10.2023 को अपराह्न 3.00 बजे तक या उससे पहले** यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, क्षेत्रीय कार्यालय कांचीपुरम, नंबर 168, लिंगी चेट्टी स्ट्रीट, पैरीज़ कॉर्नर, चेन्नई-600001 में जमा करानी चाहिएं। **तकनीकी बोलियां 31.10.2023 को शाम 4.00 बजे** उपर्युक्त पते पर मकान मालिक/उनके प्रतिनिधियों की उपस्थिति में खोली जाएंगी। दलालों या बिचौलियों पर विचार नहीं किया जाएगा। सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों या सरकारी/अर्ध सरकारी निकायों द्वारा लीज पर दी जाने वाली संपत्ति को प्राथमिकता दी जाएगी। बैंक बिना कोई कारण बताए प्रस्तावों को स्वीकार या अस्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित रखता है।

क्षेत्रीय प्रमुख

प्रोत्साहन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

संक्षिप्त खबरें

भेंट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सम्मेलन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मुलाकात

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

जनसहभागिता से तैयार होगा भाजपा का संकल्प पत्र, कार्यक्रम के दौरान टोल फ्री नंबर और वेबसाइट भी जारी करेंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर,। भाजपा प्रदेश कार्यालय पर कानून मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा संकल्प पत्र समिति द्वारा जनता के सुझाव एकत्रित करने के लिए ''आपणो राजस्थान सुझाव आपका संकल्प हमारा'' नाम से एक आऊटरीच कार्यक्रम बनाया है। इस कार्यक्रम की लॉचिंग भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा बुधवार को बिड़ला ऑडिटोरियम में दोपहर एक बजे करेंगे। इस दौरान जेपी नड्डा प्रदेश के अलग-अलग जगहों के लिए 51 रथों को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे।

कानून मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि जनसहभागिता के तहत चलाए जा रहे इन रथों के साथ जिला संयोजक और संकल्प पत्र समिति के सह-संयोजक रहेंगे। इन रथों में आकांक्षा पेटी भी रखी जाएगी जिसमें लोग अपने लिखित सुझाव दे सकते हैं। जिला मुख्यालयों और तहसील स्तर पर जाकर आमजन से संकल्प पत्र के संबंध में सुझाव लिए जाएंगे। यह कार्यक्रम 20 दिन का होगा जिसमें समाज के सभी वर्गों से सुझाव लिए जाएंगे। इसमें मजदूर से लेकर, व्यापारी, उद्योगपति, रिक्षाचालक और किसान सभी के सुझाव लिए जाएंगे।

इसके अलावा संकल्प पत्र में प्रबुद्धजनों से भी सुझाव लिए जाएंगे चाहे वह पत्रकार कल्याण की बात हो या कर्मचारी कल्याण की समाज के सभी वर्गों से विभिन्न सुझाव लिए जाएंगे। कानून मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि लाँचिंग कार्यक्रम के दौरान भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा एक टोल फ्री नंबर और वेबसाईट भी जारी करेंगे। सुझाव के लिए ई-मेल, वाटसएप्प, मैसेज के जरिये भी लोग अपने सुझाव भेज सकते हैं। इसके बाद एकत्रित सभी सुझावों के आधार पर भाजपा अपना मजबूत संकल्प पत्र तैयार करेगी।

प्रधानमंत्री मोदी की सभा 5 को, शेखावत ने संभाला मोर्चा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 5 अक्टूबर को जोधपुर के प्रस्तावित दौरे को लेकर भाजपा तैयारी में जुट गई है। केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने जोधपुर पहुंच कर सभा स्थल पर किए जा रहे कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने सभी नेताओं और कार्यकर्ताओं को हिदायत दी कि पश्चिमी राजस्थान के लिए यह सबसे सबसे बड़ा मौका है जिसमें भाजपा को पूरी ताकत लगानी है। खास बात यह है कि आचार संहिता 10 अक्टूबर से पहले कभी भी लगाई जा सकती है। ऐसे में पीएम मोदी यदि अभी शिलान्यास और लोकार्पण नहीं करते तो आचार संहिता के कारण मामला अटक सकता था।

शेखावत ने पत्रकारों से कहा कि जी-20 की समिट और नई संसद में महिला आरक्षण बिल पारित होने के बाद प्रधानमंत्री मोदी पहली बार जोधपुर आ रहे हैं। उनके इस दौरे को लेकर महिलाओं में भी जबरदस्त उत्साह है। वे मोदीजी के स्वागत के लिए उत्सुक और आतुर हैं। यहां की जनता भी प्रधानमंत्री का अभिनंदन और स्वागत करने के लिए उत्साह से परिपूर्ण है।

उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी जी एम्स में नए ट्रोमा सेंटर का शिलान्यास करेंगे। एयरपोर्ट विस्तार के कार्यों का शिलान्यास करेंगे। साथ ही आईआईटी में नए शैक्षणिक कार्यो का उद्घाटन करेंगे। इसके अलावा जोधपुर परिक्षेत्र में रेल और सडक़ संबंधी परियोजनाओं का प्रधानमंत्री मोदी लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी की सभा में आमजन को निमंत्रण देने के लिये 12वीं रोड़ स्थित मण्डल कार्यालय पर जोधपुर शहर जिलाध्यक्ष देवेन्द्र सालेचा के निर्देशानुसार कॉल सेन्टर स्थापित किया गया।

इसी प्रकार भाजपा महिला कार्यकर्ताओं द्वारा भीतरी शहर में आमजन को पीले चावल बांटकर सभा में आने का निमंत्रण दिया जा रहा है। संगठन स्तर पर मण्डलवार बैठकें भाजपा के वरिष्ठ पदाधिकारियों द्वारा ली गई जिसमें अधिक से अधिक संख्या में कार्यकर्ताओं को जनसभा में भाग लेने का आह्वान किया जा रहा है।

राजस्थान के जयपुर, बीकानेर, अजमेर और जैसलमेर में बनेंगे पैनोरमा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान सरकार ने जयपुर, बीकानेर, अजमेर और जैसलमेर में विभिन्न पैनोरमा बनाने के लिए 18 करोड़ रुपये मंजूर किए गये हैं।

एक सरकारी बयान के अनुसार राज्य सरकार राज्य की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण और महापुरुषों के जीवन आदर्शों से नई पीढ़ी को अवगत कराने के लिए पैनोरमा तैयार करा रही है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने चार जिलों में पैनोरमा निर्माण के लिए 18 करोड़ रुपए की मंजूरी दी है। इसके अनुसार, इस स्वीकृति से जयपुर में 'स्वामी आत्मारामजी लक्ष्य पैनोरमा' और बीकानेर में 'राव बीकाजी पैनोरमा' बनेगा और इन पर चार-चार करोड़ रुपये की लागत आएगी।

इसके साथ ही, अजमेर में 'पृथ्वीराज चौहान पैनोरमा' तथा जैसलमेर के पोकरण में 'इंदिरा महाशक्ति भारत पैनोरमा' का निर्माण होगा। इनपर पांच-पांच करोड़ रुपये व्यय होंगे। सभी कार्य पर्यटन विभाग द्वारा पर्यटन विकास कोष से करवाए जाएंगे। इन पैनोरमा में स्वामी आत्माराम जी, पृथ्वीराज चौहान तथा राव बीकाजी के व्यक्तित्व एवं भारत के स्वर्णिम इतिहास के बारे में नई पीढ़ी को जानकारी मिलेगी। इससे वे महापुरुषों के जीवन से प्रेरणा लेने के साथ ही गौरवशाली इतिहास एवं संस्कृति से परिचित हो सकेंगे।

प्रधानमंत्री मोदी ने गोलमाल जवाब दिया, राजस्थान की योजनाओं को केंद्र में लागू करके दिखाएं : गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने मौजूदा राज्य सरकार की योजनाओं को बंद नहीं करने के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बयान को 'गोलमाल' करार देते हुए मंगलवार को कहा कि प्रधानमंत्री पहले राज्य सरकार की महत्वपूर्ण योजनाओं को केंद्र में लागू करके दिखाएं। उल्लेखनीय है कि मोदी ने सोमवार को चित्तौड़गढ़ में एक जनसभा में कहा कि राज्य में सत्ता में आने पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) जनहित की किसी योजना को बंद नहीं करेगी और यह मोदी की गारंटी है।

गहलोत ने राजसमंद में विकास कार्यों के शिलान्यास/लोकार्पण को वर्चुअल माध्यम से संबोधित करते हुए मंगलवार को कहा,आपने (प्रधानमंत्री मोदी ने) गोलमाल जवाब दिया। आपने यह नहीं कहा कि राजस्थान की पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस), 25 लाख रुपये की बीमा संबंधी योजना और पात्र लोगों को 1000 रुपये प्रदान करने की पेंशन योजना को मैं भी केंद्र में लागू करूंगा। यह भी नहीं कहा कि जिस तरह राजस्थान सरकार गैस सिलेंडर 500 रुपये में दे रही है, उसकी तरह हम भी देंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी पिछली सरकार की कई परियोजनाओं को बाद में आई भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने बंद कर दिया था। गहलोत ने कहा,'कौन विश्वास कर सकता है आपके ऊपर कि आप जो कह रहे हैं उसे लागू करेंगे?... पहले केंद्र में लागू करके दिखाएं, तब हम मानेंगे। उल्लेखनीय है कि राज्य में इस साल के आखिर में विधानसभा चुनाव होने हैं।

पूजा अर्चना

जैसलमेर में मंगलवार को सरहद पर स्थित मातेश्वरी तनोट राय माता के मंदिर में दर्शन और पूजन करती पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे।

खेलों की दुनिया में पहचान बना रहा राजस्थान : चांदना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। युवा मामले, खेल तथा सूचना एवं जनसंपर्क राज्यमंत्री अशोक चांदना ने कहा कि खेलों की दुनिया में राजस्थान पहचान बना रहा है। गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड में दर्ज हुआ ग्रामीण ओलंपिक का नाम और राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय खेलों में राजस्थान के खिलाड़ियों को मिल रहे मेडल इसके गवाह है। चांदना मंगलवार को बूंदी जिले के हिण्डोली में देव छात्रावास परिसर में आयोजित राज्य स्तरीय 17 एवं 19 वर्षीय (छात्र) खो-खो प्रतियोगिता के शुभारंभ समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। चांदना ने कहा कि फिट राजस्थान हिट राजस्थान के निर्माण के साथ ही आने वाले समय में खिलाडी राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर ज्यादा से ज्यादा मेडल लेकर देश और प्रदेश का नाम रोशन करेंगे।

उन्होंने कहा कि खेलों में राजस्थान के बेटे और बेटियां मजबूती से आगे बढ़ रहे है। विगत दिनों हुए खेलो इंडिया में 48 मेडल लेकर राज्य ने चौथा स्थान प्राप्त किया था। राजस्थान खेलों में निरंजर तेजी से आगे बढ रहा है। इसमें खेल तथा शिक्षा विभाग का विशेष योगदान रहा है। दुनिया में सबसे बड़े ग्रामीण ओलंपिक का आयोजन राजस्थान में हुआ है और इसका गिनीज बुक आफ वर्ल्ड में नाम दर्ज है, जो अपने आप में एक कीर्तिमान है। उन्होंने कहा कि खिलाडी पदक प्राप्त करने, माता-पिता का नाम, गुरू और स्कूल, जिले का नाम रोशन करने के लिए खेलता है। खिलाडियों के लिए राजस्थान सरकार ने खेलों की व्यवस्थाओं में बड़े सुधार किए है। खिलाडियों के लिए सरकारी नौकरियों में प्रावधान किया है। अब तक डेढ हजार के करीब खिलाड़ियों को नौकरी दी है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने खिलाडियों का भविष्य बेहतर बनाने का हर संभव प्रयास और व्यवस्था की है। खेल मैदान, अच्छी कोचिंग की व्यवस्था की गई है।

भाजपा का फोकस ग्रामीण वोटरों पर, चलो गांव की ओर अभियान करेगी शुरू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। शहरी इलाकों की पार्टी समझी जाने वाली भाजपा अब राजस्थान के गांव में अपना जनाधार मजबूत करेगी। ग्रामीणों मतदाताओं तक पहुंचने के लिए भाजपा 'चलो गांव की ओर' अभियान शुरू करने जा रही है। इस अभियान के तहत भाजपा नेता गांवों में रात्रि विश्राम और चौपाल करेंगे। ग्रामीणों के साथ चाय पर चर्चा भी की जाएगी।

दरअसल, राजस्थान में विधानसभा चुनाव होना है। चुनाव में जीत दर्ज करने के लिए सभी राजनीतिक पार्टियां दमखम लगा रहीं है। नई-नई रणनीति बनाकर मैदान में उतरा जा रहा है। सियासी हलकों में कहा जाता है कि भाजपा शहरी पार्टी है। ग्रामीण इलाकों की तुलना में शहरी क्षेत्र में पार्टी का ज्यादा प्रभाव है। अब इस मिथक को तोड़ने के लिए भाजपा चलो गांव की ओर अभियान शुरू करने की जा रही है। अगले एक दो दिन में इसकी शुरुआत हो सकती है।

इस अभियान के जरिए भाजपा प्रत्येक ग्राम पंचायत और बूथ स्तर तक अपनी पहुंच बनाएगी। पार्टी का छोटा-बड़ा नेता गांव में रात्रि विश्राम करेगा। दिन में गांव में घूम-घूमकर ग्रामीणों के साथ चाय पर चर्चा और शाम को चौपाल पर संवाद करेंगे। इस दौरान ग्रामीणों को मोदी सरकार की योजनाओं की जानकारी दी जाएगी, साथ ही जनता से सुझाव भी लिए जाएंगे। अब तक सामने आए नामों के अनुसार भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी, प्रदेश प्रभारी अरूण सिंह, प्रदेश चुनाव प्रभारी प्रहलाद जोशी, राजेंद्र राठौर, सतीश पूनिया समेत अन्य नेता इस अभियान का हिस्सा बनेंगे। सूत्रों की माने तो इस अभियान पर बीते दिनों जयपुर में हुई भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा और गृहमंत्री अमित शाह की बैठक में सहमति बनी। इसके बाद इस अभियान को अमलीजामा पहनाया गया। भाजपा चुनाव प्रबंधन समिति के अध्यक्ष और पूर्व सांसद नारायण पंचारिया ने अभियान को लेकर कहा कि हफ्ते दस दिन में प्रदेश के गांवों तक भाजपा छा जाएगी। एक दो दिन में इस अभियान की शुरुआत होने जा रही है।

चुनावी मौसम में यह अभियान भाजपा के लिए काफी फायदेमंद हो सकता है। इस अभियान के तहत भाजपा नेता ग्रामीणों को केंद्र सरकार की योजनाओं की जनकारी देंगे। उनके साथ चाय पर चर्चा कर समय बिताएंगे। हालांकि, चुनावी साल में इस तहर के अभियान शुरु करना काफी आम माना जाता है, लेकिन मोदी सरकारा की ऐसी कई योजनाएं हैं जिनका ग्रामीणों और किसानों को सीधा लाभ मिला है। इनमें जनधन, उज्ज्वला, पीएम आवास, हर घर शोचालय, मुफ्त राशन और किसान समृद्धि समेत अन्य योजनाओं से ग्रामीणा क्षेत्र के लोग सीधे जुड़े हैं। भाजपा राजस्थान का विधानसभा चुनाव पीएम मोदी के चेहरे पर लड़ रही है। ऐसे में अगर भाजपा ग्रामीणा मतदाताओं तक अपनी पहुंच बनाती है तो चुनाव में इसका असर जरूर देखने को मिल सकता है।

राजस्थान संस्कृत अकादमी द्वारा तैयार श्रय श्रव्य रिकार्डिंग का हुआ लोकार्पण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान संस्कृत अकादमी के तत्त्वावधान में वेद संरक्षण योजनान्तर्गत अकादमी द्वारा अथर्ववेद एवं सामवेद की सम्पूर्ण संहिता की श्रव्य-दृश्य प्रस्तुति (रिकार्डिंग) का लोकापर्ण मंगलवार को कला, साहित्य एवं संस्कृति मंत्री डॉ. बी.डी. कल्ला द्वारा उनके राजकीय आवास पर किया गया, जिसे जनसामान्य के लिए सोशल मिड़िया वैबसाइट पर प्रसारित किया जायेगा। इसका उद्देश्य वेदों में निहित जन कल्याण की भावना को जन-जन तक पहुचाना है एवं वेद पाठ की लुप्त होती स्वर पाठ परंपरा को संरक्षित रखना है। इस अवसर पर डॉ. कल्ला द्वारा इस प्रयास को वैदिक संस्कृति के प्रचार-प्रसार हेतु एवं वेद पाठ की परंपरा को संरक्षित एवं सुरक्षित रखने के लिए महत्वपूर्ण लोकोपकारी एवं सराहनीय बताया। इस मौके पर डॉ. सरोज कोचर अध्यक्ष संस्कृत अकादमी द्वारा वेदों की गुरू परंपरा के संरक्षण हेतु अकादमी द्वारा इस वर्ष बजट घोषणा-23 के अन्तर्गत 10 नवीन जिलों में वेदाश्रम खोले जाने की जानकारी दी। तथा यह भी बताया कि वर्तमान में राज्य के 45 वेदाश्रम अकादमी द्वारा संचालित किये जा रहे हैं।

अकादमी निदेशक डॉ. राजकुमार जोशी द्वारा बताया गया कि अकादमी द्वारा निम्बाहेड़ा में चारों वेदों की 11 शाखाओं के अध्ययन को अकादमी स्तर पर प्रारम्भ कराये जाने का प्रयास किया जा रहा है।

लोकार्पण के अवसर पर डॉ. हरिशंकर दास वेदान्ती, महामण्डलेश्वर ज्ञानेश्वर पुरी, डॉ. सीताराम दोतोलिया, डॉ. सुभद्रा जोशी, प्रो. जगदीश प्रसाद त्रिपाठी , के अतिरिक्त अनेक महासमिति सदस्य एवं संस्कृत मनीषी उपस्थित रहें।

ज्यूडिशियरी में भ्रष्टाचार वाले बयान पर गहलोत ने माफी मांगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। ज्यूडिशियरी में भ्रष्टाचार को लेकर दिए गए बयान पर सीएम अशोक गहलोत ने खेद जताया है। सीएम ने मंगलवार को हाईकोर्ट की जयपुर बेंच में माफी मांगी। कोर्ट में पेश किए गए अपने जवाब में सीएम गहलोत ने कहा कि उनकी ओर से जो कुछ भी कहा गया था, वो उनके विचार नहीं थे।

सीएम गहलोत ने कोर्ट में जवाब पेश कर कहा कि पूर्व न्यायाधीशों ने भी कई बार न्यायपालिका में भ्रष्टाचार को लेकर बयान दिए हैं। मैंने अपने स्टेटमेंट में उनको कोट करते हुए ही अपनी बात कही थी। सीएम अशोक गहलोत ने कहा न्यायपालिका का पूरा सम्मान है और यदि न्यायपालिका की गरिमा को कोई ठेस लगी है, तो बिना शर्त माफी मांगता हूं। बतादें कि हाईकोर्ट में चीफ जस्टिस एजी मसीह और जस्टिस एमएम श्रीवास्तव की खंडपीठ में पूर्व न्यायिक अधिकारी और एडवोकेट शिवचरण गुप्ता की जनहित याचिका पर यह सुनवाई हुई।

राजस्थान हाईकोर्ट में चीफ जस्टिस एजी मसीह की डिविजनल बेंच ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बयान को रिकॉर्ड पर ले लिया। कोर्ट ने प्रकरण की अगली सुनवाई 7 नवंबर 2023 को निर्धारित की है। सुप्रीम कोर्ट और राजस्थान हाईकोर्ट में पैरवी करने वाले वाले युवा वकील प्रतीक कासलीवाल ने सीएम अशोक गहलोत की ओर से कहा कि हमने कोर्ट में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के जवाब के साथ पूर्व न्यायाधीशों के द्वारा दिए गए बयानों के डॉक्यूमेंट भी पेश किए हैं। सीएम गहलोत ने 30 अगस्त को जयपुर में मीडिया से बात करते हुए कहा था- ज्यूडिशियरी में भयंकर भ्रष्टाचार हो रहा है। मैंने सुना है कि कई वकील तो जजमेंट लिखकर ले जाते हैं। वही जजमेंट आता है। ज्यूडिशियरी के अंदर यह क्या हो रहा है? लोअर हो या अपर ज्यूडिशियरी, सभी जगह हालात गंभीर हैं। देशवासियों को ये सोचना चाहिए। गहलोत ने कहा था कि भाजपा विधायक कैलाश मेघवाल ने केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल पर जो आरोप लगाए, वो सही हैं। मुझे मालूम पड़ा है कि उनके वक्त बहुत बड़ा करप्शन हुआ था। जिसे दबा दिया गया। इन लोगों ने हाईकोर्ट से स्टे ले रखा है। सीएम के इस बयान के बाद न्यायिक क्षेत्र में विरोध के सुर मुखर हो गए थे।

वकीलों ने हड़ताल और धरने प्रदर्शन कर दिए थे। एडवोकेट शिवचरण गुप्ता की याचिका पर सीएम का जवाब पेश बार कौंसिल ऑफ राजस्थान के पूर्व उपाध्यक्ष और भाजपा नेता योगेन्द्र सिंह तंवर ने राजस्थान हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस को सीएम के खिलाफ शिकायती पत्र भी लिख भेजा था। एडवोकेट शिवचरण गुप्ता समेत कई एडवोकेटस ने सीएम के खिलाफ हाईकोर्ट में याचिकाएं दायर कर दी थीं। एडवोकेट शिवचरण गुप्ता की याचिका पर हाईकोर्ट ने सीएम अशोक गहलोत को नोटिस जारी कर जवाब पेश करने को कहा था। आज सीएम की ओर से इसी प्रकरण में हाईकोर्ट में जवाब पेश हुआ है।

भारत व डोमिनिकन गणराज्य के बीच विविध क्षेत्रों में व्यापार को और बढ़ाने की क्षमताः राष्ट्रपति मुर्मू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को कहा कि डोमिनिकन गणराज्य लैटिन अमेरिका में भारत का आठवां सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार है और दोनों देशों के बीच विविध क्षेत्रों में व्यापार में और वृद्धि की क्षमता है।

अपनी पहली यात्रा पर भारत पहुंचीं डोमिनिकन गणराज्य की उपराष्ट्रपति राकेल पेना रोड्रिग्ज का स्वागत करते हुए, मुर्मू ने कहा कि क्षमता निर्माण दोनों देशों के बीच सहयोग के केंद्रीय स्तंभों में से एक है। रोड्रिग्ज ने यहां राष्ट्रपति भवन में मुर्मू से मुलाकात की। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि रोड्रिग्ज की यात्रा का समय बहुत उपयुक्त है क्योंकि भारत और डोमिनिकन गणराज्य अपने राजनयिक संबंधों की 25वीं वर्षगांठ मना रहे हैं।

राष्ट्रपति भवन द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, मुर्मू ने कहा कि दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंध मधुर और मैत्रीपूर्ण हैं, जो लोकतंत्र के साझा मूल्यों की मजबूत नींव और वैश्विक मुद्दों पर विचारों की व्यापक समानता पर आधारित हैं। मुर्मू ने कहा कि दवा उत्पादों, समुद्र विज्ञान, मौसम विज्ञान, आपदा-रोधी बुनियादी ढांचे और डिजिटल भुगतान प्रौद्योगिकियों जैसे क्षेत्रों में एक साथ काम करने और अनुभव व विशेषज्ञता का आदान-प्रदान करने की गुंजाइश है।

देवरिया कांड मामले में 16 लोग गिरफ्तार

देवरिया (उप्र)/भाषा। देवरिया जिले में रुद्रपुर इलाके में हुई हिंसा की घटना के सिलसिले में 16 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि रुद्रपुर थाना क्षेत्र के फतेहपुर गांव के लेहड़ा टोले में पूर्व जिला पंचायत सदस्य प्रेम चंद यादव की उनके प्रतिद्वंद्वी सत्यप्रकाश दुबे और उनके परिवार द्वारा कथित तौर पर हत्या किए जाने के बाद यादव के समर्थकों ने दुबे और उनके परिवार पर हमला कर दिया। इस हमले के दौरान दुबे और उनकी पत्नी और तीन बच्चों सहित उनके परिवार के पांच लोगों की हत्या कर दी गयी थी। मामले में अब तक 16 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। वारदात में दुबे का आठ वर्षीय बेटा अनमोल घायल हो गया। उसे गोरखपुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है, जहां उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज ही अस्पताल में उससे मुलाकात करके उसका हालचाल लिया था।

असमः कांग्रेस नेता गौरव गोगोई के काफिले की गाड़ियां टकराईं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सिलचर/भाषा। असम के कछार जिले में मंगलवार को कांग्रेस के वरिष्ठ नेता गौरव गोगोई के काफिले में शामिल वाहनों की भिड़ंत में पार्टी के कई कार्यकर्ता घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि लोकसभा में कांग्रेस के उपनेता गोगोई को कोई चोट नहीं आई, जबकि दो महिलाओं समेत पार्टी के नौ कार्यकर्ताओं को मामूली चोटें आईं। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि यह दुर्घटना मोइनारबॉन्ड में तब हुई, जब पुलिस पायलट वाहन ने अचानक ब्रेक लगा दिया। उन्होंने कहा, इसके बाद एक के बाद एक कई वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो गए। अधिकारी ने कहा, काफिले में लगभग 20 वाहन थे, जो कुंभीरग्राम हवाई अड्डे से सिलचर जा रहे थे और दुर्घटना में लगभग आठ वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। पार्टी की जिला इकाई के अध्यक्ष अभिजीत पॉल ने कहा, कांग्रेस की घायल महिला कार्यकर्ताओं को प्राथमिक उपचार के लिए स्थानीय अस्पताल ले जाया गया। अन्य लोग आगे की यात्रा के लिए रवाना हो गए।

बिहार में जाति सर्वेक्षण जारी करना 'सामाजिक न्याय की जीत': जदयू

नई दिल्ली/भाषा। जदयू ने मंगलवार को कहा कि बिहार में जाति सर्वेक्षण जारी किया जाना सामाजिक न्याय की जीत है और यह रिपोर्ट अत्यंत पिछड़े वर्गों (ईबीसी) के लिए प्रगति एवं समृद्धि के नए रास्ते खोलेगी। पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव एवं प्रवक्ता राजीव रंजन ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली बिहार सरकार ने जाति सर्वेक्षण को रोकने की भाजपा की सभी चाल कुंद कर दी हैं। जाति सर्वेक्षण जारी किए जाने को सामाजिक न्याय की जीत बताते हुए रंजन ने कहा कि यह रिपोर्ट ईबीसी के लिए प्रगति एवं समृद्धि के नए रास्ते खोलेगी। रंजन ने कहा, उनकी वास्तविक संख्या जानने से विशेष योजनाएं बनाने और यह सुनिश्चित करने में बहुत मदद मिलेगी कि वे उस वर्ग तक सफलतापूर्वक पहुंचें। बिहार में नीतीश कुमार सरकार ने 2024 के लोकसभा चुनाव से कुछ महीने पहले सोमवार को अपने बहुप्रतीक्षित जाति सर्वेक्षण के निष्कर्ष जारी किए, जिसमें पता चला कि ओबीसी और ईबीसी राज्य की कुल आबादी का 63 प्रतिशत हिस्सा हैं।

राष्ट्रीय स्तर पर जातिवार जनगणना से ही दलितों और पिछड़ों को मिलेगा वाजिब हक : मायावती

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की प्रमुख मायावती ने बिहार की तर्ज पर उत्तर प्रदेश में भी जातिवार जनगणना कराए जाने की जरूरत बताते हुए मंगलवार को कहा कि दलितों और पिछड़ों को उनका वाजिब हक तभी मिलेगा, जब केंद्र सरकार राष्ट्रीय स्तर पर जनगणना कराएगी।

मायावती ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट में कहा, 'बिहार सरकार द्वारा कराई गई जातीय जनगणना के आंकड़े सार्वजनिक होने की खबरें आज सुर्खियों में हैं तथा उस पर गहन चर्चा जारी है। कुछ पार्टियां इससे असहज जरूर हैं, मगर बसपा के लिए ओबीसी के संवैधानिक हक के लंबे संघर्ष की यह पहली सीढ़ी है।' पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, 'वैसे तो उत्तर प्रदेश सरकार को अब अपनी नीयत व नीति में जनभावना और जनअपेक्षा के अनुसार सुधार करके जातीय जनगणना/सर्वे अविलंब शुरू करा देना चाहिए, लेकिन इसका सही समाधान तभी होगा, जब केंद्र सरकार राष्ट्रीय स्तर पर जातीय जनगणना कराकर उन्हें उनका वाजिब हक देना सुनिश्चित करेगी।' मायावती ने एक अन्य पोस्ट में कहा, 'बसपा को प्रसन्नता है कि देश की राजनीति उपेक्षित 'बहुजन समाज' के पक्ष में नई करवट ले रही है, जिसका नतीजा है कि एससी/एसटी आरक्षण को निष्क्रिय व निष्प्रभावी बनाने तथा घोर ओबीसी व मंडल विरोधी जातिवादी एवं सांप्रदायिक दल भी अपने भविष्य के प्रति चिंतित नजर आने लगे हैं।' बिहार की नीतीश कुमार सरकार ने 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले गत सोमवार को राज्य में बहुप्रतीक्षित जातिवार सर्वेक्षण के निष्कर्ष जारी किए थे। इसके मुताबिक, ओबीसी और अत्यंत पिछड़े वर्गों की राज्य की कुल आबादी में 63 प्रतिशत हिस्सेदारी है।

केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल ने जाति आधारित गणना की वकालत की

रायबरेली/भाषा। बिहार सरकार द्वारा कराए गए जाति सर्वेक्षण के आंकड़े जारी होने के एक दिन बाद मंगलवार को भाजपा के सहयोगी अपना दल (सोनेलाल) की नेता एवं केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल ने राष्ट्रव्यापी जाति आधारित गणना की वकालत की। उन्होंने अन्य पिछड़ा वर्ग के कल्याण के लिए समर्पित एक अलग मंत्रालय गठित करने की मांग भी की।

पार्टी की एक बैठक को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि जाति आधारित गणना बेहद जरूरी है, ताकि पिछड़ी जातियों के बारे में उनकी जनसंख्या सहित प्रामाणिक आंकड़े पता चल सकें और उनकी समस्याओं और मुद्दों का प्रभावी ढंग से समाधान किया जा सके।

पिछड़े समुदाय की नेता पटेल ने कहा कि अपना दल (एस) हमेशा से जातिगत जनगणना के पक्ष में रहा है।

अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) को सबसे बड़ा जनसांख्यिकीय समूह करार देते हुए उन्होंने ओबीसी के कल्याण के लिए एक अलग मंत्रालय गठित करने का आह्वान किया।

पटेल ने कहा, ''यह समय की मांग है।''

पटेल ने उच्च न्यायपालिका में समाज के कमजोर वर्गों के अधिक प्रतिनिधित्व की वकालत करते हुए कहा कि उच्च न्यायालयों और उच्चतम न्यायालय को सामाजिक विविधता को प्रतिबिंबित करना चाहिए।

बिहार जाति जनगणना के बाद बौखला गई है भाजपा, पिछड़ों को साढ़े नौ वर्षों तक धोखा दिया : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने मंगलवार को दावा किया कि बिहार में जाति जनगणना के निष्कर्ष सार्वजनिक होने के बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) बौखला गई है और पार्टी ने केंद्र में सत्तारूढ़ दल पर साढ़े नौ साल तक पिछड़े वर्गों को धोखा देने का आरोप लगाया। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने आरोप लगाया कि भाजपा लोगों को सामाजिक न्याय देने से भाग रही है और इसीलिए वह देश भर में जाति जनगणना नहीं करा रही है।

जयराम रमेश ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर कहा, ''जो देश की सारी संपत्ति अपने ख़ास मित्रों के हाथों में सौंप रहे हैं। जिन्होंने मनरेगा का मज़ाक उड़ाया। जिन्होंने कोविड के समय श्रमिकों को हज़ारों किलोमीटर पैदल चलने के लिए मजबूर किया। जिन्होंने खाद्य सुरक्षा अधिनियम का विरोध किया। वह आज ग़रीबों की बात कर रहे हैं। सच यह है कि ये डरे हुए हैं। पिछले 9.5 सालों में इन्होंने पिछड़े वर्ग के साथ विश्वासघात किया है। इसलिए सामाजिक न्याय और जाति जनगणना से भाग रहे हैं।''

कांग्रेस के अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) विभाग के अध्यक्ष अजय यादव ने कहा कि बिहार सरकार ने सोमवार को महात्मा गांधी और लालबहादुर शास्त्री की जयंती पर अपनी जाति जनगणना के निष्कर्ष जारी किए और शैक्षणिक संस्थानों, न्यायपालिका और देश के अन्य संस्थानों में ओबीसी की भागीदारी पर कई गंभीर सवाल उठाए। यादव ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में सवाल किया, ''बिहार सरकार द्वारा जारी जाति जनगणना के आंकड़ों से भाजपा बौखला गई है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कहते हैं कि इससे सामाजिक व्यवस्था बिगड़ जाएगी और कांग्रेस जातियों के बारे में बात करके पाप कर रही है। क्या यह पाप है? इससे बड़ा पुण्य क्या हो सकता है कि हम आर्थिक रूप से कमजोर लोगों की बात कर रहे हैं?''

ओडिशा में दिसंबर 2025 तक तैयार हो जाएगा विश्व स्तरीय कैंसर देखभाल, अनुसंधान नवाचार केंद्र

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने यहां होमी भाभा कैंसर अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र (एचबीएचआरसी) की आधारशिला रखी और कहा कि दिसंबर 2025 तक राज्य को एक विश्व स्तरीय कैंसर देखभाल, अनुसंधान और नवाचार केंद्र मिल जाएगा। पटनायक ने कहा कि जटानी में राष्ट्रीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान परिसर में अत्याधुनिक सुविधा और अनुसंधान केंद्र, 200 बिस्तरों वाला एक कैंसर अस्पताल होगा। इस सुविधा से ओडिशा के लोगों को कैंसर के उपचार के लिए काफी मदद मिलेगी क्योंकि उन्हें अब इसके लिए मुंबई या अन्य बड़े शहरों में नहीं जाना पड़ेगा और वे वित्तीय तथा इस जानलेवा बीमारी के कारण होने वाले मानसिक संकट से भी बच जाएंगे। स्वास्थ्य सेवा ओडिशा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और राज्य लगभग 1.25 लाख लोगों के चिकित्सा खर्च पर हर महीने 225 करोड़ रुपये से अधिक खर्च कर रहा है।

ओडिशा में दीवार से टकराने के बाद पुल से लटकी बस, 30 लोग बाल-बाल बचे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के कटक जिले में मंगलवार को 30 लोग उस समय बाल-बाल बच गए जब एक बस महानदी पर बने एक पुल की दीवार से टकराने के बाद काफी देर तक पुल से लटकी रही। इन लोगों को बाद में वाहन से निकाला गया। यह जानकारी पुलिस ने दी। बांकी पुलिस थाने के प्रभारी निरीक्षक काबुली बारिक ने बताया कि दुर्घटना सुबह करीब 10.30 बजे जतिमुंडिया-सुवर्णपुर पुल पर हुई जब बस अंगुल से भुवनेश्वर जा रही थी।

बस चालक शीकांत बेहरा ने कहा, ''हालांकि मैंने ब्रेक लगाया और बस को नियंत्रित करने की कोशिश की, लेकिन यह पुल के किनारे पर बनी दीवार से टकरा गई। बस के अगले दो पहिए पुल से लटक रहे थे। अन्य वाहनों में सफर कर रहे लोग बस के यात्रियों को बाहर निकालने के लिए रुक गए।''

बारिक ने कहा कि चालक समेत सभी यात्रियों को सुरक्षित बचा लिया गया। उन्होंने कहा, ''दुर्घटना में कोई भी गंभीर रूप से घायल नहीं हुआ।'' उन्होंने बताया कि बस को बाद में पुल से हटा दिया गया।

बस सुबह 7.45 बजे अंगुल से रवाना हुई थी और इसे दोपहर 12 बजे भुवनेश्वर पहुंचना था।

एक स्थानीय व्यक्ति ने कहा कि यदि बस और आगे बढ़ जाती तो वह पुल से नीचे गिर सकती थी, जिसके परिणामस्वरूप एक बड़ा हादसा हो सकता था।

पश्चिम बंगाल में केंद्र की योजनाओं में 'भ्रष्टाचार' की सीबीआई जांच हो : शुभेंदु अधिकारी

नई दिल्ली/भाषा। पश्चिम बंगाल में नेता विपक्ष शुभेंदु अधिकारी ने मंगलवार को राज्य में केंद्रीय धन की कथित हेरफेर की सीबीआई जांच की मांग करते हुए आरोप लगाया कि बड़े घोटाले के पीछे टीएमसी है। भाजपा के नेता ने आरोप लगाया कि राज्य सरकार के अधिकारियों के साथ मिलकर तृणमूल कांग्रेस से जुड़े हजारों ग्राम प्रधान महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार अधिनियम (मनरेगा) के तहत काम के संबंध में राज्य में हजारों करोड़ रुपये के भ्रष्टाचार में शामिल हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और उनके भतीजे अभिषेक बनर्जी पर निशाना साधते हुए दावा किया, यह बड़ा घोटाला है। यह आजादी के बाद सबसे बड़ा घोटाला साबित होगा। विपक्षी नेता ने निशाना साधने के लिए बुआ-भतीजा शब्द का इस्तेमाल किया। लोकसभा सदस्य अभिषेक बनर्जी के नेतृत्व में टीएमसी नेता मनरेगा सहित केंद्र सरकार की कुछ योजनाओं के तहत राज्य को धन जारी नहीं करने को लेकर केंद्र के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं।

पूर्वोत्तर में नई परियोजनाएं लगाने, क्षमता विस्तार पर 2,600 करोड़ रुपये का निवेश करेगी आईओसी

गुवाहाटी/भाषा। सार्वजनिक क्षेत्र की इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी) ने अगले कुछ साल में पूर्वोत्तर में नई परियोजनाएं स्थापित करने और क्षमता विस्तार पर 2,600 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश करने की योजना बनायी है। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी।

आईओसी के निदेशक मंडल ने पहले ही विभिन्न नई परियोजनाओं को मंजूरी दे दी है। वहीं कुछ मंजूरी मिलने की प्रक्रिया में है। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी नई परियोजनाओं के लिये जमीन को लेकर मेघालय, मिजोरम और मणिपुर की सरकारों के साथ बातचीत कर रही है। आईओसी के कार्यकारी निदेशक (इंडियन ऑयल-असम तेल विभाग) गणेशन रमेश ने पीटीआई से बातचीत में कहा, ''इंडियन ऑयल के लिये पूर्वोत्तर क्षेत्र सबसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में से एक है। शीर्ष प्रबंधन इस क्षेत्र पर काफी ध्यान दे रहा है। हमने रिफाइनिंग के साथ-साथ पेट्रोलियम, तेल और लुब्रिकेंट (पीओएल) भंडारण क्षमता को बढ़ाकर अपने परिचालन को बढ़ाने की योजना बनाई है।'' उन्होंने कहा कि कंपनी वर्तमान में पूरे क्षेत्र में नई और पुरानी दोनों को मिलाकर लगभग एक दर्जन परियोजनाओं पर काम कर रही है। इसमें कुल 2,612 करोड़ रुपये का निवेश होगा।

कबड्डी में भारत के पुरूषों ने बांग्लादेश, महिलाओं ने दक्षिण कोरिया को हराया

हांगझोउ/भाषा। रिकॉर्ड सात बार की चैम्पियन भारतीय पुरुष कबड्डी टीम ने एशियाई खेलों के ग्रुप ए मैच में मंगलवार को बांग्लादेश को 55-18 से हराकर अपने अभियान का आगाज किया । महिला टीम ने भी ग्रुप ए में अपने दूसरे मैच में दक्षिण कोरिया के खिलाफ 56-23 से आसान जीत दर्ज की। महिला वर्ग में पिछले खेलों के रजत पदक विजेता भारत को सोमवार को चीनी ताइपे ने पहले मैच में 34-34 से ड्रॉ पर रोक दिया था। पिछली बार कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय टीम की नजरें इस बार फिर स्वर्ण अपने नाम करने पर हैं । भारत ने मध्यांतर तक 24-9 की बढत बना ली थी । नवीन कुमार गोयत और अर्जुन देशवाल की अगुआई में भारत ने 12वें मिनट में ऑलआउट किया। बांग्लादेश ने भी पहले हाफ में पवन सेहरावत और गोयत पर हमला बोला लेकिन वह नाकाफी था । दूसरे हाफ में भी भारत ने दबदबा बनाते हुए आसान जीत दर्ज की।

भारत का दूसरा अभ्यास मैच भी बारिश की भेंट चढ़ा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। भारत का नीदरलैंड के खिलाफ दूसरा विश्व कप अभ्यास मैच मंगलवार को यहां लगातार बारिश के कारण रद्द हो गया। मैच में एक भी गेंद नहीं फेंकी जा सकी। पिछले हफ्ते गुवाहाटी में भारत के पहले अभ्यास मैच में भी एक भी गेंद नहीं फेंकी जा सकी थी। भारत इस तरह एकमात्र टीम है जो विश्व कप में अभ्यास मैच में बल्लेबाजी या गेंदबाजी का अभ्यास करे बिना उतरेगी। भारत विश्व कप में रविवार को चेन्नई में अपने अभियान की शुरुआत ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ करेगा।

पारुल चौधरी और अनु रानी को स्वर्ण, भारत ने एथलेटिक्स में छह पदक जीते

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हांगझोउ/भाषा। पारुल चौधरी ने शानदार दमखम का परिचय देते हुए महिला 5000 मीटर स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता जबकि अनु रानी सत्र के अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ महिला भाला फेंक स्पर्धा में शीर्ष पर रही जिससे भारत मंगलवार को यहां एशियाई खेलों की एथलेटिक्स स्पर्धाओं में छह पदक जीतने में सफल रहा।

यह 28 वर्षीय खिलाड़ी अंतिम लैप में जापान की रिरिका हिरोनाका से पीछे चल रही थी लेकिन अंतिम 40 मीटर में उन्हें पछाड़कर 15 मिनट 14.75 सेकेंड के समय के साथ स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

पारुल का मौजूदा एशियाई खेलों में यह दूसरा पदक है। उन्होंने सोमवार को महिला 3000 मीटर स्टीपलचेज में भी रजत पदक जीता था। मेरठ की 31 साल की अनु ने अपने चौथे प्रयास में 62.92 मीटर के सत्र के अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ स्वर्ण पदक जीता। श्रीलंका की नदीशा दिल्हान और चीन की हुइहुइ ल्यु ने क्रमशः 61.57 मीटर और 61.29 मीटर के प्रयास के साथ रजत और कांस्य पदक जीते। मोहम्मद अफजल ने पुरुषों की 800 मीटर दौड़ में एक मिनट 48.43 सेकेंड के साथ रजत पदक जीता। इसी स्पर्धा में कृष्ण कुमार डिस्क्वालीफाई हो गए।

तेजस्विन शंकर ने पुरुष डेकाथलन स्पर्धा में 7666 अंक के राष्ट्रीय रिकॉर्ड के साथ रजत पदक हासिल किया। इससे पहले वह 1500 मीटर फाइनल में चौथे स्थान पर रहे थे। भारत का एशियाई खेलों की पुरुष डेकाथलन स्पर्धा में 1974 के बाद यह पहला पदक है। विजय सिंह चौहान एशियाई खेलों की इस स्पर्धा में 1974 में पदक जीतने वाले पिछले भारतीय थे। पिछला राष्ट्रीय रिकॉर्ड भरतिंदर सिंह के नाम था जो 7658 अंक का था।

अपनी आदर्श खिलाड़ी ज्योति से हारने का कोई मलाल नहीं: अदिति स्वामी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हांगझोउ/भाषा। भारतीय तीरंदाज अदिति स्वामी को एशियाई खेलों की कंपाउंड तीरंदाजी सेमीफाइनल स्पर्धा में मंगलवार को यहां ज्योति सुरेखा वेन्नम से हार का सामना करना पड़ा लेकिन 17 साल की इस खिलाड़ी को इसका कोई मलाल नहीं है। अदिति ज्योति को अपना आदर्श मानती है और उन्हें इस बात की खुशी है कि भारत के दो खिलाड़ी महिला एकल में पदक के दावेदार हैं। सत्रह साल की अदिति ने विश्व चैम्पियनशिप के सेमीफाइनल में ज्योति को शिकस्त दी थी। इस जीत के साथ ही ज्योति ने दो महीने पहले मिली हार का बदला पूरा किया।

अदिति अब कांस्य पदक के लिए चुनौती पेश करेंगी जबकि तीसरी बार एशियाई खेलों में भाग ले रही ज्योति पहली बार स्वर्ण पदक जीतने का सपना पूरा करना चाहेंगी। अदिति ने कहा, '' वह (ज्योति) मेरी आदर्श हैं। उनके खिलाफ खेलने का मैं लुत्फ उठाती हूं। पिछली बार विश्व चैम्पियनशिप में हम दोनों का सामना हुआ था।'' इस खिलाड़ी ने कहा, ''उस समय मैं जीती थी और आज वह जीत गयी। इसमें कोई बड़ा मसला नहीं है। '' कंपाउंड तीरंदाजी ओलंपिक खेलों का हिस्सा नहीं है ऐसे में अदिति एशियाई खेलों में अपने पहले अभियान को कांस्य पदक जीतकर यादगार बनाना चाहती है। अदिति ने कहा, '' यह हमारे लिए काफी खास टूर्नामेंट है। हमारे लिए यह ओलंपिक की तरह है। मैं काफी खुश हूं और हर क्षण का लुत्फ उठा रही हूं।''

सुविचार

देर से बनो पर ज़रूर कुछ बनो, क्योंकि वक़्त के साथ लोग खैरियत नहीं हैसियत पूछते हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

प्रोत्साहन एवं सुधार

पंजाब के गुरदासपुर जिले में प्रशासन ने पराली जलाने की घटनाओं पर रोक लगाने के लिए जो पहल की है, वह अनूठी है। हालांकि इस पर कुछ सवाल भी उठाए जा सकते हैं, लेकिन कुल मिलाकर इससे पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रोत्साहन ही मिलेगा। इस पहल के तहत, पराली नहीं जलाने वाले किसानों को पर्यावरण संरक्षक (वातावरण दे राखे) के रूप में मान्यता और प्रशंसा प्रमाण पत्र दिए जाएंगे। अगर वे यह प्रमाण पत्र सरकारी कार्यालयों में दिखाएंगे तो उन्हें लंबी कतारों में लगने की जरूरत नहीं होगी। हर साल अक्टूबर और नवंबर में एनसीआर में वायु प्रदूषण के स्तर में बढ़ोतरी से लोगों को काफी दिक्कतें होती हैं। खासतौर से बच्चों, बुजुर्गों और सांस संबंधी रोगियों के लिए हालात काफी मुश्किल हो जाते हैं। इसके पीछे कई वजह हैं, जिनमें पराली जलाना भी शामिल है। प्रशासन ने किसानों के अलावा गांवों को भी प्रोत्साहित करने के लिए कुछ उल्लेखनीय घोषणाएं की हैं। जिन गांवों में पराली जलाने की एक भी घटना नहीं होगी, उन्हें 'वातावरण दे राखे' प्रमाण पत्र देने के अलावा विकास परियोजनाओं में प्राथमिकता मिलेगी। वास्तव में पराली जैसे मुद्दे को प्रोत्साहनदायक तरीके से ही हल किया जा सकता है। अगर प्रशासन खूब सख्ती करेगा तो किसान संगठन आंदोलन छेड़ सकते हैं। वहीं, सवाल यह भी है कि क्या इस पहल से उन किसानों में असंतोष पैदा नहीं होगा, जो 'वातावरण दे राखे' प्रमाण पत्र नहीं पा सके, चाहे उन्होंने पराली जलाई हो या कोई और वजह रही हो? जब वे सरकारी कार्यालयों की लंबी कतारों में लगे रहेंगे और उनके सामने कुछ लोगों का काम पहले होगा तो उनका आक्रोश फूट सकता है। प्रशासन को यह बिंदु ध्यान में रखना होगा। एक और सवाल यह है कि आम आदमी को आज भी सरकारी कार्यालयों की लंबी-लंबी कतारों में क्यों लगना पड़ रहा है? आधुनिक टेक्नोलॉजी का जमाना है, अब तो सरकारें इन कतारों से मुक्ति दें। तरीका यह होना चाहिए कि सरकारी कार्यालयों में जनता से जुड़े ज्यादातर कामों के लिए आम आदमी को न किसी के चक्कर लगाने पड़ें और न लंबी-लंबी कतारों में लगने की नौबत आए।

किसी व्यवस्था में सुधार के लिए प्रोत्साहन देना और सकारात्मक कदम उठाना बड़े बदलाव ला सकते हैं। बशर्ते नीति निर्माता दृढ़ इच्छाशक्ति दिखाएं। अनुभवी शिक्षकों ने पाया है कि स्कूलों में सजा देने के बजाय प्रोत्साहन से अधिक सकारात्मक परिणाम आते हैं। जो बच्चे देर से स्कूल आते हैं, होमवर्क नहीं करते, सहपाठियों से झगड़ा करते हैं, उनकी आदतों में सुधार के लिए कुछ खास कदम उठाए जाएं तो वे अपने जीवन में बहुत अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं। इसी साल जुलाई में दिल्ली उच्च न्यायालय ने झगड़ा करने वाले दो परिवारों को अनूठी 'सजा' दी थी। न्यायालय ने उन्हें अपने-अपने इलाकों में दो सौ-दो सौ पौधे लगाने का निर्देश दिया था! न्यायमूर्ति दिनेश कुमार शर्मा ने अपने फैसले में जो कहा, वह उल्लेखनीय है- 'मेरा मानना है कि (संबंधित) पक्षों को समाज में योगदान देने का निर्देश देकर उनकी नकारात्मक ऊर्जा को समाप्त किया जाना चाहिए। इसलिए दोनों मामलों में याचिकाकर्ताओं को अपने-अपने क्षेत्रों में दो सौ-दो सौ पौधे लगाने का निर्देश दिया जाता है। जांच अधिकारी (आईओ) बागवानी विभाग से परामर्श के बाद जगह की पहचान करके याचिकाकर्ताओं को 15 दिन पहले सूचित करेंगे।' प्राय: यह देखने में आता है कि छोटे-मोटे झगड़ों / ग़लतियों / अपराधों में जेल जाने या जुर्माना भरने के बाद सामान्य व्यक्ति की मानसिकता पर नकारात्मक प्रभाव होता है। इससे एक तरह का भय पैदा करने की कोशिश की जाती है। कई लोग एक-दो बार जेल जाने या जुर्माना भरने के बाद उसके आदी हो जाते हैं। उनमें खास सुधार नहीं आता। अगर दोपहिया वाहन पर सवारी के दौरान हैलमेट लगाने की ही बात करें तो इसके स्पष्ट नियम हैं। जुर्माने के भी प्रावधान हैं। ये लोगों की सुरक्षा के लिए हैं, लेकिन कुछ लोग उनका पालन नहीं करते। वहीं, बहुत लोग ऐसे हैं, जो हर नियम का पालन करते हैं। समय पर बिजली, पानी, गैस ... के बिल जमा कराते हैं। कभी बेटिकट यात्रा नहीं करते, लाल बत्ती पार नहीं करते, कचरा नहीं फैलाते। प्रोत्साहनदायक तरीकों से उन लोगों में सुधार लाया जा सकता है, जो जानबूझकर ग़लतियां करते हैं। इसी तरह जो नियमों का पालन करते हैं, उन्हें कुछ अतिरिक्त लाभ देकर व्यवस्था में बड़े स्तर पर सुधार को सुनिश्चित किया जा सकता है। सरकारों को इस संबंध में विचार करना चाहिए।

ट्वीटर टॉक

आज वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्राप्त संगमरमर व्यापारियों व पिछवाई कारीगरों के विचारों ने मिशन 2030 को समृद्ध बनाया। इस मौके पर नाथद्वारा (राजसमंद) के विभिन्न विकास कार्यों का शिलान्यास व लोकार्पण भी किया।

-अशोक गहलोत

बाड़मेर में विरात्रा पहाड़ी पर स्थित प्रसिद्ध विरात्रा माता मंदिर के दर्शन कर स्वयं को सौभाग्यशाली समझती हूं। यहां हिंगलाज माता के दिव्य स्वरूप देवी वांकल की पूजा-अर्चना कर देश-प्रदेश की उन्नति एवं जीव कल्याण की कामना की।

-वसुंधरा राजे

यह पत्र विशेष है क्योंकि इसमें सत्ताधारी दल के विधायक स्वीकार कर रहे हैं कि उनसे बाबुओं द्वारा रिश्वत मांगी जा रही है। व्यवस्था में व्याप्त भ्रष्टाचार का आलम यह है विधायक को अपने कोष से कार्य कराने के लिए मुख्यमंत्री को धरने की चेतावनी देनी पड़ रही है।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

प्रेरक प्रसंग

आत्मीय अहसास

दुनिया से विदा हुए अपनों के स्मरण का मोह भी सदा बना रहता है। जीवन की जड़ों को सींचने वाले पूर्वजों की स्मृति को नमन करने का पावन भाव छूट भी कैसे सकता है? हमारी सांस्कृतिक-आध्यात्मिक विरासत में तो संसार से विदा ले चुके अपनों की स्मृतियां दोहराने के लिए कुछ दिन तक निश्चित हैं। ये दिन भौतिक रूप से हमारा साथ छोड़ चुके अपनों को आत्मीय अनुभूतियों के धरातल पर स्मरण करने को समर्पित हैं। हालांकि पितृ पक्ष से जुड़ा बहुत कुछ समय के साथ बदल गया है, पर भावनाओं के पक्ष पर कुछ नहीं बदला है। संवेदनाओं से जुड़े बदलाव की आवश्यकता भी कम ही है क्योंकि पितृ पक्ष के दिन भी हमें सन्मार्ग पर चलने की प्रेरणा देने ही आते हैं। जीवन की अनिश्चितता से मिलवाते हुए जनकल्याण में प्रवृत्त करने की सीख देने का माध्यम बनते हैं।

सामयिक

मनुष्य और प्रकृति के बीच है शाश्वत रिश्ता

सुनील कुमार महला
मोबाइल 9828108858

संस्कृत में कहा गया है -'शाश्वतम, प्रकृति-मानव-सङ्गतम, सङ्गतं खलु शाश्वतम। तत्त्व-सर्वं धारकं, सत्त्व-पालन-कारकं, वारि-वायु-व्योम-वह्नि-ज्या-गतम। शाश्वतम, प्रकृति-मानव-सङ्गतम।। अर्थात इसका भावार्थ यह है कि प्रकृति और मनुष्य के बीच का संबंध शाश्वत है। रिश्ता शाश्वत है। जल, वायु, आकाश के सभी तत्व, अग्नि और पृथ्वी वास्तव में धारक हैं और जीवों के पालनहार हैं। सच तो यह है कि प्रकृति हमें पत्र, फूल, फल, छाया, जड़, बल्क, लकड़ी और जलाऊ लकड़ी, सुगंध, राख, गुठली और अंकुर प्रदान करके हमारी इच्छाओं को पूरा करते हैं। इसीलिए संस्कृत में कहा गया है कि -'पुत्रपुष्यफलच्छाया मूलवल्कलदारुभिः। गन्धनिर्यासभस्मास्थितौस्मैः कामान वितन्वते।।' हाल ही में 3 अक्टूबर को हम सभी ने 'विश्व प्रकृति दिवस' मनाया। प्रकृति का मानव जीवन में बहुत बड़ा महत्व है और प्रकृति के महत्व के बारे में आम लोगों में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से ही इस दिवस को मनाया जाता है।

वास्तव में, प्रकृति और मनुष्य के बीच बहुत गहरा सम्बन्ध है। प्रकृति के बिना मनुष्य जीवन की कल्पना नहीं कर सकता है। प्रकृति है तो मनुष्य व जीव जंतुओं का अस्तित्व इस धरती पर है। प्रकृति नहीं है तो कुछ भी नहीं है। जानकारी देना चाहूंगा कि प्रकृति दो शब्दों से मिलकर बनी है- 'प्र' और 'कृति।' 'प्र' अर्थात प्रकृष्टि (श्रेष्ठ/उत्तम) और 'कृति' का अर्थ है रचना। ईश्वर की श्रेष्ठ रचना अर्थात सृष्टि।प्रकृति से सृष्टि का बोध होता है। प्रकृति अर्थात वह मूलत्व जिसका परिणाम जगत है। प्रकृति ने मानव के लिए जीवनदायक तत्वों को उत्पन्न किया है।सच तो यह है कि प्रकृति मनुष्य को विरासत में बहुत सी चीजें, संसाधन(रिसोर्स) प्रदान करती है लेकिन हम प्रकृति के संरक्षण की बजाय उसे नुकसान अधिक पहुंचाते हैं, सच तो यह है कि हम प्रकृति के प्रति अपने योगदान, अपनी जिम्मेदारियों को नहीं समझते हैं और प्रकृति का लगातार दोहन करने में लगे रहते हैं। लेकिन हमें यह बात अपने जेहन में रखनी चाहिए कि हर दिन हमारे हर किसी के छोटे-छोटे योगदान से ही, हम अपने ग्रह, अपनी पृथ्वी को बचा सकते हैं, इसका संरक्षण कर सकते हैं और उस प्रकृति को फिर से प्राप्त कर सकते हैं, जो कि हमें विरासत में मिली है। प्रकृति और मनुष्य वास्तव में दोनों एक-दूसरे के पूरक हैं। प्रकृति में हर किसी का अपना महत्व है। मत्स्यपुराण में एक वृक्ष को सौ पुत्रों के समान बताया गया है। संस्कृत में कहा गया है कि 'पश्यैतान महाभागान पराबैंकान्तजीवितान। वातवर्षातपहिमान सहन्तरे वारयन्ति नः।।' यानी कि पेड़ इतने महान हैं कि वे केवल दान के लिए जीते हैं। वे तूफान, बारिश और ठंड को अपने आप सहन करते हैं। हमारी भारतीय संस्कृति में तो पेड़-पौधों को पूजने तक की परंपरा रही है, इसीलिए संस्कृत में बड़े ही सुंदर शब्दों में यह भी कहा गया है कि -'दश कूप समा वापी, दशवापी समोह्रद्रः।दशह्रद समः पुत्रों, दशपुत्रो समो द्रमुः।। यानी इसका मतलब यह है कि एक पेड़ दस कुओं के बराबर,एक तालाब दस सीढ़ी के कुएं के बराबर, एक बेटा दस तालाब के बराबर, और एक पेड़ दस बेटों के बराबर होता है। इसलिए प्रकृति की रक्षा करना हम सभी का परम दायित्व है।

प्रकृति उदार है लेकिन मनुष्य प्रकृति के प्रति कभी अपनी उदारता नहीं दिखाता। वास्तव में, प्रकृति और मनुष्य का संबंध आश्रय और आश्रित का है। प्रकृति संपूर्ण पृथ्वी ग्रह को अपने भीतर संरक्षण देती है। 'प्रकृति' किसी व्यक्ति, समाज, राज्य, या देश, की निजी संपत्ति नहीं होती। हमें यह बात अपने जेहन में रखनी चाहिए कि समस्त प्राणियों के जीवन की एकमात्र जननी प्रकृति ही है।हमें जीवन देकर इसे सुचारु रूप से चलाने वाली प्रकृति ही हमारी जननी है और इस प्रकृति को जीवन देकर सुचारू रूप से चलाने वाली वह परम शक्ति ही विधाता, ईश्वर, या सर्वोपरि सत्ता है। बहरहाल, प्रकृति की सबसे बड़ी खासियत यह है कि वह अपनी चीजों का उपभोग कभी भी स्वयं नहीं करती। जैसे-नदी अपना जल स्वयं नहीं पीती है, पेड़ अपने फल खुद नहीं खाते हैं, फूल अपनी खुशबू पूरे वातावरण में फैला देते हैं। इसका मतलब यह है कि प्रकृति किसी के साथ भेदभाव या पक्षपात नहीं करती, लेकिन मनुष्य जब प्रकृति से अनावश्यक खिलवाड़ करता है तब उसे गुस्सा आता है, जिसे वह समय-समय पर सूखा, बाढ़, सैलाब, तूफान के रूप में व्यक्त करते हुए मनुष्य को सचेत करती है।

ग़लत नहीं है कि वर्तमान समय में व्यक्ति अतृप्त लालसाओं का बढ़ते जाना उसे अपने ही अस्तित्व की समाप्ति की ओर लेकर जा रहा है। यही कारण है जीवन के संतुलन के लिए प्रकृति और मनुष्य के बीच संबंध चरमरा गया है। यह असंतुलन मनुष्य की लालसावादी मनोवृति से उपजा है। अपनी धरती को हरा भरा, सुंदर व स्वच्छ रखना हम सभी का परम और नैतिक दायित्व है। जानकारी देना चाहूंगा कि आज के दिन जलवायु परिवर्तन, उसकी चुनौतियों व प्रकृति के महत्व और संरक्षण के बारे में आम लोगों में जागरूकता बढ़ाई जाती है। वास्तव में, यह दिवस जलवायु परिवर्तन के कारण आने वाली चुनौतियों व प्रकृति की स्थिति के बारे में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य दे मनाया जाता है। यह दिवस पहली बार 3 अक्टूबर 2010 को मनाया गया था। यह भी जानकारी देना चाहूंगा कि विश्व प्रकृति दिवस मनाने की शुरुआत यूएस के विश्व प्रकृति संगठन (वर्ल्ड नेचर आर्गेनाइजेशन) द्वारा की गयी थी। जानकारी देना चाहूंगा कि विश्व प्रकृति संगठन एक अंतर सरकारी संगठन है, यह संगठन पर्यावरण की सुरक्षा के लिए काम करता है। इसका मुख्यालय यूएस में है। वर्तमान समय में अनेक प्रकार की प्रजातियों यथा जीव-जंतुओं के साथ ही वनस्पतियां विलुप्त होती चली जा रही हैं। विलुप्त हो रहे जीव-जंतु व वनस्पतियों की रक्षा का संकल्प लेना ही विश्व प्रकृति दिवस का मूल व अहम उद्देश्य है। आज विश्व की लगातार बढ़ती जनसँख्या, बढ़ता प्रदूषण जिसमें वायु प्रदूषण, ध्वनि प्रदूषण, मृदा प्रदूषण, जल प्रदूषण, प्लास्टिक व पालीथीन प्रदूषण शामिल किया जा सकता है, मानवजाति के लिए बहुत ही चिंता का विषय है। प्रतिवर्ष धरती बढ़ता तापमान, नष्ट होता पर्यावरण, ओजोन परत का लगातार क्षरण, आज मनुष्य के लिए घोर चिंता के विषय बन गए है और ये हमारी धरती को लगातार विनाश की ओर धकेल रहे हैं।

धरती के लगातार बढ़ते तापमान के कारण आज बहुत से जीव जंतु, वनस्पतियां जहां विलुप्ति के कगार पर पहुंच गई हैं, वहीं ग्लेशियर पिघल रहे हैं। मनुष्य की उपभोगवादी प्रवृति से निर्मित कार्बन उत्सर्जन है जिसने ग्लोबल वार्मिंग की स्थिति को बढ़ावा दिया है।आज कभी भूस्खलन हो रहे हैं तो कहीं पर बाढ़ व कहीं पर अनावृष्टि देखने को मिल रही है। कहना ग़लत नहीं होगा कि ये सब प्राकृतिक असंतुलन के कारण हो रहा है। इसलिए प्रकृति की सुरक्षा करना बेहद जरूरी है। सच तो यह है कि आज हमें अपने आपको बदलने की जरूरत है, प्रकृति को नहीं। हम सबके जीवन का आधार हमारी प्रकृति को सुरक्षित रखना हम सबके हाथ में है। अंत में यही कहूंगा कि आज के इस आधुनिक युग में हमें प्रकृति के प्रति अपनी निष्ठुरता एवं अनुशासनहीनता को त्यागने की जरूरत है। प्रकृति के साथ मनुष्य को सामंजस्य स्थापित करने की जरूरत है। हम विकास करें लेकिन प्रकृति का भी ध्यान रखें, प्रकृति की सीमाओं को कभी भी नहीं लांघें।

चिंतन

नैतिकता की वाग्धारा

पारस्परिक रूप से, एक सत्यपरायण संस्कृति वही है जो प्रकृति के स्वभाव की भाँति अभिमान की संप्रभुता को अपना मूल लक्ष्य मानती है। त्रुटि स्वयं में दोष नहीं है; वह भी एक जीवंत तत्व है! वरन, जो निर्बलता से उत्पन्न होता है, जैसे पतन का मनोभाव, अपुष्ट प्रयास, अपरिवर्तनीय ईर्ष्या-वह गलत है। मनुष्य, समुदाय और जाति का उद्देश्य अपनी श्रेष्ठता और प्रगति की सर्वोच्च अभिव्यक्ति प्राप्त करना है।

आशुतोष शर्मा
मोबाइल : 9663505606

सही क्या है? उपयुक्त क्या है? इसका अनुमान मुख्य रूप से दो सिद्धांतों से अँकुरित होता है : पहला-हमारी प्रवृत्ति, हमारी अनुरक्तियाँ, तथा हमारे विगत अनुभवों का संग्रह। किन्तु केवल इस प्रस्ताव के आधार पर औचित्य के व्यापक प्रश्न पर विचार करना अपर्याप्त है।

चेतना दूसरा सिद्धांत है। यह और कुछ नहीं अपितु जिसे हम सत्य मानते हैं, उसका एक स्व-मान्य स्रोत है जो सर्वमाननीय प्रकार से यह इंगित करता है कि क्या सही है। किन्तु चेतना भी स्वयं एक सामाजिक अस्तित्व का क्षेत्र है, न कि व्यक्तिगत। यह हमारे विश्व की एक मनोविकारी स्थिति मात्र है, उसका सम्पूर्ण सार नहीं! इसकी महत्ता संचार एवं अनुकूलन की निरंतर आवश्यकता के सन्दर्भ में ही विकसित हुई है। यद्यपि, इसका अर्थ यह नहीं है कि इसकी उपयोगिता का तिरस्कार किया जाये; लेकिन केवल जैविक गुण ही नैतिकता या अनैतिकता की जटिलताओं का विस्तृत आकलन कर सकते हैं। चेतना सामाजिक अथवा सामूहिक प्रकृति की होती है-यह क्षुद्र और औसत दर्जे के संकेतों से सरोकार करने के समान है, जिनकी निर्भरता पर हम सतही हो जाते हैं और अपनी व्यक्तिगत अस्तित्व की वास्तविक प्रकृति का अनुपालन करने से पथभ्रष्ट हो जाते हैं।

तो, सही क्या होना चाहिए? यह सहज विश्वास सही है कि किसी की अन्तर्रात्मा की ध्वनि कभी अनैतिक नहीं हो सकती, क्योंकि यह ईश्वर एवं ब्रह्मांड की शक्तियों और उनकी अति-आयामी अस्तित्व का मूल आध्यात्मिक प्रतिनिधि है। यह वह है जो आत्म-पुष्टि करने वाले कार्य या विचार से आता है, जो मनुष्य को स्वयं में सशक्त बनाता है। वह सब कुछ जो शक्ति का परिवर्धन करता है-आत्म-विजय की इच्छा, जो प्रकृति की योग्यता के द्वारा प्रगति की भावना पर बल देता है और उनके साथ सामंजस्य स्थापित करता है-सही है। पारस्परिक रूप से, एक सत्यपरायण संस्कृति वही है जो प्रकृति के स्वभाव की भाँति अभिमान की संप्रभुता को अपना मूल लक्ष्य मानती है। त्रुटि स्वयं में दोष नहीं है; वह भी एक जीवंत तत्व है! वरन, जो निर्बलता से उत्पन्न होता है, जैसे पतन का मनोभाव, अपुष्ट प्रयास, अपरिवर्तनीय ईर्ष्या-वह गलत है। मनुष्य, समुदाय और जाति का उद्देश्य अपनी श्रेष्ठता और प्रगति की सर्वोच्च अभिव्यक्ति प्राप्त करना है। यही व्यापक रूप से सही है। नीतियुक्तता तथा वैराग्य स्वतः अर्थशून्य हैं, क्योंकि वास्तविक नैतिकता तो प्राण से भरपूर है, एक आत्म-पुष्टि करने वाली वृत्ति है जो प्रेरक है, आकर्षक है, ऊर्जावान है, व गतिशील रूप से इस उल्लासमय जीवन को हर्ष और आह्लाद का आदर्शस्वरूप मान, इस नश्वर वाग्दान को एक शाश्वत आकृति समर्पित करता है।

मुद्दा

देशभर में उठने लगी जातीय गणना की मांग

बाल मुकुन्द ओझा
मोबाइल : 9414441218

आज़ादी के बाद समाजवादी नेता डॉ राम मनोहर लोहिया का यह नारा खूब गूंजा था जिसमें कहा गया पिछड़ा पावे सौ में साठ। आज इसी नारे को उन्हीं के समाजवादी पंथ के नीतश ने साकार किया है। जाति के आधार पर आबादी की गिनती को जातीय जनगणना कहते हैं। जातीय जनगणना से हर बात का पता चलता है, साथ ही जातियों की उपजाति का भी पता चलता है। इसके अलावा उनकी सामाजिक-आर्थिक स्थिति का पता चल पाता है। बिहार सरकार ने गाँधी जयंती के दिन जातीय जनगणना के आंकड़े जारी कर सियासी भूचाल ला दिया। मुख्यमंत्री नीतीश के मास्टर स्ट्रोक का कितना असर होगा ये तो आने वाले वक्त में पता चल जाएगा। बहरहाल प्रदेश में एक बार फिर मंडल और कमंडल की राजनीति को बढ़ावा मिलेगा।

बिहार के बाद अब देशभर में जातीय गणना की मांग जोर शोर से उठने लगी है। राजनीतिक विश्लेषकों के मुताबिक, जातिगत जनगणना से आरक्षण का मुद्दा फिर तूल पकड़ सकता है। बताया जाता है इससे नितीश की पार्टी को अपेक्षित लाभ मिलेगा। हालाँकि प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने इसे विकास विरोधी करार दिया है। मोदी ने जात-पात के नाम पर लोगों को बांटने का आरोप लगाते हुए विपक्ष पर हमला किया। मोदी ने कहा- विकास विरोधी तब भी गरीबों की भावनाओं से खेलते थे और आज भी खेलते हैं। वो तब भी जात-पात के नाम पर लोगों को बांटते थे और आज भी यही पाप कर रहे हैं। बिहार देश का पहला जातीय गणना के आंकड़े जारी करने वाला राज्य बन गया है। लोकसभा चुनाव 2024 से पहले जातिगत जनगणना के आंकड़े सार्वजनिक होने से बिहार के सीएम नीतीश कुमार को सबसे बड़ा फायदा हो सकता है. दरअसल, उनकी पार्टी जेडीयू बिहार में जाति की राजनीति करने के लिए ही पहचानी जाती है. वहीं, जातिगत जनगणना के ये आंकड़े मंडल और कमंडल की राजनीति के नए दौर को हवा देने के लिए काफी हैं। बिहार सरकार ये भी कहती रही है कि गैर-एससी और गैर-एसटी से जुड़े आंकड़ों के पहीं होने के कारण अन्य पिछड़ा वर्ग की जनसंख्या का सही अनुमान लगाना मुश्किल हो गया है। साल 1931 में हुई जनगणना के मुताबिक, बिहार में ओबीसी आबादी 52 फीसदी थी। वहीं, जातिगत जनगणना की मांग करने वालों का कहना था कि एससी और एसटी को उनकी आबादी के आधार पर आरक्षण दिया गया था। वहीं, ओबीसी की सही संख्या पता नहीं होने के कारण उन्हें पूरा फायदा नहीं मिल पाया है. लिहाजा, कोटा को संशोधित करने के लिए जाति आधारित जनगणना जरूरी है। सर्वे के आधार पर राज्य में 13 करोड़ % लाख 25 हजार 310 लोग हैं। इसमें से 2,83,44,160 परिवार हैं। 13 करोड़ आबादी में सबसे ज्यादा 63 प्रतिशत ओबीसी (2% प्रतिशत पिछड़ा वर्ग+ 36 प्रतिशत अत्यंत पिछड़ा वर्ग) वर्ग की आबादी है. जिसमें से 14.26 प्रतिशत यादव हैं और 3.65 प्रतिशत ब्राह्मण और राजपूत (ठाकुर) 3.45 प्रतिशत हैं। इन जातियों में सबसे कम संख्या कायस्थों की है. सर्वे के अनुसार प्रदेश में कायस्थों की आबादी केवल 0.60 प्रतिशत है. इसके बाद एससी वर्ग की 19 प्रतिशत आबादी है।

बिहार में ज्यादातर राजनीतिक दल जातीय जनगणना की लंबे समय से मांग कर रहे थे. उनका कहना था कि जातीय जनगणना होने से राज्य में रहने वाले दलित और पिछड़ा वर्ग के लोगों की सही संख्या पता चल जाएगी। इससे उन्हें आगे बढ़ाने के लिए विशेष योजनाएं बनाने में आसानी होगी। अगर सही जातीय जनसंख्या का पता होगा तो राज्य में उनके मुताबिक प्रभावी योजनाएं बनाई जाएंगी।

गौरतलब है बिहार विधानसभा में 18 फरवरी 2019 और विधान परिषद में 2% फरवरी 2020 को जातीय जनगणना कराने से जुड़ा प्रस्ताव पेश किया गया। इस प्रस्ताव को बीजेपी, राजद, जदयू समेत सभी दलों ने समर्थन दिया था। केंद्र सरकार बिहार में जातिगत जनगणना कराने के खिलाफ था। केंद्र ने इसको लेकर सर्वोच्च न्यायालय में हलफनामा दायर किया था। हलफनामे में कहा था कि जातिगत जनगणना नहीं होनी चाहिए। साथ ही दलील दी थी कि जातियों की गिनती करना लंबा और कठिन काम साबित होगा। इसके बाद भी बिहार की नीतीश कुमार सरकार ने जातीय जनगणना कराने का ऐलान कर दिया था।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंडर एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

जीवन में सफलता के लिए लगातार सीखते रहना जरूरी: प्रो. रिकार्डो

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। एसआरएम इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी में मंगलवार को दीक्षांत समारोह हुआ, जिसमें 8,500 से ज्यादा विद्यार्थियों ने डिग्री प्राप्त की। जब वे मुख्य अतिथि, वर्ल्ड फेडरेशन फॉर मेडिकल एजुकेशन (डब्ल्यूएफएमई) के अध्यक्ष प्रोफेसर रिकार्डो लियोन बोरकेज़ से डिग्री पाने के लिए खड़े हुए तो सभागार तालियों से गूंज उठा। प्रो. रिकार्डो ने कहा कि दीक्षांत दिवस जीवन का सबसे यादगार दिन है। यह जीवन के एक चरण का समापन और दूसरे चरण की शुरुआत है, जिसमें निरंतर सीखना शामिल है। सीखना एक ऐसी प्रक्रिया है, जिसका कोई अंत नहीं है। जीवन में सफलता के लिए व्यक्ति को लगातार सीखते रहना जरूरी है। पूर्णता उन्हें मिलती है, जो हमेशा ज्ञान की खोज में रहते हैं। उन्होंने कहा कि चिकित्सा की पढ़ाई करने का अवसर मिलना बहुत गर्व की बात है। यह आपको चिकित्सा पद्धति की राह पर ले जाता है, जिसका प्रमुख उद्देश्य लोगों की जान बचाना है। मानवता के के बिना चिकित्सा का अध्ययन अधूरा होता है। नैतिकता का पालन, सहनशीलता का विकास और दृढ़ता को आत्मसात करना उन आवश्यक तत्त्वों में से हैं, जो चिकित्सकों को अच्छा चिकित्सक बनाते हैं।

भारत सरकार के आयुष मंत्रालय के सचिव वैद्य राजेश कोटेचा और चंद्रयान-3 के परियोजना निदेशक डॉ. पी वीरमुथुवेल को एसआरएमआईएसटी के संस्थापक चांसलर डॉ. टीआर पारीवेंधर द्वारा डॉक्टर ऑफ साइंस (डीएससी) की मानद उपाधि दी गई। डॉ. वीरमुथुवेल ने कहा कि विद्यार्थियों को असफलता से हार नहीं माननी चाहिए। सफलता के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ती है। उन्होंने चंद्रयान-3 की सफलता का उदाहरण देते हुए कहा कि मिशन लॉन्च करने से पहले मून लैंडर पर कई परीक्षण करने पड़े। वैद्य राजेश कोटेचा ने कहा कि शिक्षा शक्ति है और खुद को बदलने का एक तरीका है। सीखना केवल तथ्यों और आंकड़ों पर महारत हासिल करना नहीं है। यह उससे कहीं आगे है। यह खुद को ज्ञान से समृद्ध बनाने और जीवन को बेहतर बनाने का एक माध्यम है।

एसआरएमआईएसटी के प्रो-चांसलर (एकेडमिक्स) डॉ. पी सत्यनारायणन ने कहा कि जीवन में जिज्ञासा और विश्लेषण जरूरी हैं। जिज्ञासा व्यक्ति को अधिक चीजें सीखने के लिए प्रेरित करती है। विश्लेषण आवश्यक ज्ञान देता है। इस अवसर पर एसआरएमआईएसटी के वाइस चांसलर डॉ. प्रोफेसर सी मुथमिजचेलवन, रजिस्ट्रार डॉ. एस पोन्नुसामी, प्रो-वाइस चांसलर (मेडिकल) लेफ्टिनेंट कर्नल डॉ. ए रविकुमार, एसआरएमआईएसटी (त्रिची और रामपुरम कैंपस) के अध्यक्ष डॉ. आर शिवकुमार, और एसआरएम आर्ट्स एंड साइंस कॉलेज (कट्टनकुलथुर) के कॉरसपॉन्डेंट हरिनी रवि आदि मौजूद थे।

भारत-बांग्लादेश ने मेघालय में सैन्य अभ्यास शुरू किया

नई दिल्ली/भाषा

भारत और बांग्लादेश ने मंगलवार को मेघालय के उमरोई में सैन्य अभ्यास शुरू किया जो दो सप्ताह तक चलेगा। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि अभ्यास- 'सम्प्रीति-11' भारत तथा बांग्लादेश के बीच रक्षा सहयोग को और बढ़ाने, गहरे द्विपक्षीय संबंधों, सांस्कृतिक समझ और साझा अनुभवों से पारस्परिक लाभ को बढ़ावा देने के लिए है। इसने कहा, दोनों देशों द्वारा बारी-बारी से आयोजित किया जाने वाला यह अभ्यास मजबूत द्विपक्षीय रक्षा सहयोग पहल का प्रतीक है। 2009 में असम के जोरहाट में इसकी शुरुआत के साथ, इस अभ्यास के 2022 तक 10 सफल संस्करण हो चुके हैं। अभ्यास में दोनों देशों के लगभग 350 कर्मी भाग ले रहे हैं। बांग्लादेशी दल में 170 कर्मी शामिल हैं, जिनका नेतृत्व 52 बांग्लादेश इन्फैंट्री ब्रिगेड के कमांडर ब्रिगेडियर जनरल मोहम्मद मफिज़ुल इस्लाम राशिद कर रहे हैं। बांग्लादेश की सेना की ओर से अभ्यास में भाग ले रही प्रमुख इकाई 27 बांग्लादेश इन्फैंट्री रेजिमेंट है। भारतीय दल में मुख्य रूप से राजपूत रेजिमेंट की एक बटालियन के सैनिक शामिल हैं। माउंटेन ब्रिगेड के कमांडर ब्रिगेडियर एस के आनंद भारतीय दल का नेतृत्व कर रहे हैं।

सेवा

अमृतसर में मंगलवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी अमृतसर में स्वर्ण मंदिर की यात्रा के दौरान 'सेवा' करते हुए।

गूगल के अनुचित रणनीति का इस्तेमाल करने के कारण सर्च इंजन के रूप में उसका प्रभुत्व बढ़ा: नडेला

वाशिंगटन/एपी

माइक्रोसॉफ्ट के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) सत्या नडेला ने कहा कि गूगल के अनुचित रणनीति का इस्तेमाल करने के कारण सर्च इंजन के रूप में उसका प्रभुत्व बढ़ा है। उन्होंने कहा कि ऐसी रणनीति के चलते ही उनकी कंपनी का प्रतिद्वंद्वी कार्यक्रम 'बिंग' विफल रहा। 'बिंग' भी सर्च इंजन के रूप में काम करता था। नडेला ने गूगल की मूल कंपनी अल्फाबेट के खिलाफ दाखिल एक मुकदमे में सुनवाई के दौरान वाशिंगटन डीसी की अदालत में गवाही दी।

यह मुकदमा कंपनी के खिलाफ सरकार द्वारा दाखिल किया गया है। न्याय मंत्रालय का आरोप है कि गूगल ने उपभोक्ताओं की कीमत पर प्रतिस्पर्धा और नवाचार को कम करने के लिए अपने सर्वव्यापी सर्च इंजन के प्रभुत्व का दुरुपयोग किया है।

माइक्रोसॉफ्ट पर भी 1990 के दशक के अंत में ऐसे ही आरोप लगे थे। नडेला ने कहा कि गूगल का प्रभुत्व उन समझौतों के कारण था जिसने इसे स्मार्टफोन और कंप्यूटर पर 'डिफॉल्ट ब्राउजर' बना दिया। उन्होंने हालांकि इस तथ्य को खारिज कर दिया कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता या अमेजन या सोशल मीडिया वेबसाइट जैसे अधिक विशिष्ट सर्च इंजन ने उस बाजार को बदला है जिसमें माइक्रोसॉफ्ट, गूगल के साथ प्रतिस्पर्धा करता है। नडेला ने कहा कि मूल रूप से उपयोगकर्ताओं के पास मोबाइल फोन और कंप्यूटर पर डिफॉल्ट वेब ब्राउजर पर अधिक विकल्प नहीं हैं। उन्होंने कहा, '' हम विकल्पों में से एक हैं लेकिन हम 'डिफॉल्ट' नहीं हैं।''

नडेला ने एक सवाल के जवाब में इस बात से इनकार किया कि 'बिंग' द्वारा कृत्रिम बुद्धिमत्ता को अपनाने से उसकी बाजार हिस्सेदारी में नाटकीय बदलाव आया है।

आज की दुनिया को धर्म की कम शिक्षा की अधिक जरूरत है : अनुराग कश्यप

नई दिल्ली/भाषा

फिल्म निर्माता एवं निर्देशक अनुराग कश्यप ने कहा है कि आज की दुनिया को धर्म की कम और शिक्षा की अधिक जरूरत है क्योंकि 'आस्था' शक्तिशाली लोगों के लिए अपना एजेंडा आगे बढ़ाने का महज एक औजार बन गई है। सारा हाशमी और नवाजुद्दीन सिद्दीकी अभिनीत शाजिया इकबाल की लघु फिल्म 'बेबाक' के निर्माता अनुराग कश्यप ने कहा कि उन्होंने युवा निर्देशक द्वारा उठाई गई आवाज का समर्थन करने का फैसला किया क्योंकि उसकी (फिल्म की) पटकथा उस संसार को दिखाती है, जिसे उन्होंने नहीं देखा था।

सत्य घटनाओं पर आधारित 20 मिनट की इस लघु फिल्म की कहानी वास्तुकला के क्षेत्र में अपना करियर बनाना चाह रही छात्रा फातिन खालिदी (हाशमी) के जीवन के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसे एक छात्रवृत्ति साक्षात्कार के दौरान हिजाब नहीं पहनने को लेकर एक धर्म गुरु की फटकार सुननी पड़ती है।

कश्यप के अनुसार, प्रत्येक धर्म की उत्पत्ति प्राचीन काल में लोगों की रक्षा के लिए उन्हें एक साथ लाने की कोशिश करने की आवश्यकता से हुई थी, जब वैज्ञानिक ज्ञान उपलब्ध नहीं था।

कश्यप (51) ने 'पीटीआई-भाषा' से एक साक्षात्कार में कहा,' वक्त के साथ लोगों ने विज्ञान के जरिये बहुत सी खोज की है। मुझे लगता है आज की दुनिया में धर्म की आवश्यकता काफी कम है। शिक्षा की जरूरत कहीं अधिक है लेकिन अब धर्म शक्तिशाली लोगों और राजनीतिक नेताओं के लिए अपने एजेंडा को आगे बढ़ाने का एक औजार बन गया है।'

पुरस्कार विजेता फिल्म 'बेबाक' में शीबा चड्ढा और विपिन शर्मा ने भी अभिनय किया है और इसे फिल्म महोत्सव के हिस्से के तहत जियोसिनेमा पर प्रदर्शित किया जा रहा है।

कश्यप ने कहा कि इकबाल जैसी फिल्में उन्हें विभिन्न दुनिया से परिचित कराती हैं। उन्होंने कहा,'शाजिया के लेखन का मुझपर गहरा प्रभाव पड़ा क्योंकि उसमें एक दृष्टिकोण है, जो मैंने उसकी पटकथा से सीखा। मैंने वह दुनिया नहीं देखी है। मेरी दुनिया में, मुझे पता है कि छात्रवृत्ति पाने के लिए हमें क्या करना चाहिए।'

कश्यप ने कहा,'ऐसी कई दुनिया है जिन्हें मैंने नहीं देखा है। आप किसी व्यक्ति को उसके काम, लेखन या फिल्म निर्माण के माध्यम से अधिक जानते हैं। उन्होंने कहा, ''मुझे अपने धर्म के बारे में बोलना चाहिए, ना कि किसी और के धर्म के बारे में। मैं अपने समुदाय, अपने लोगों के बारे में बात करूंगा।

खास सुरंग के जरिए हर रोज आठ लाख श्रद्धालु आसानी से कर सकेंगे महाकालेश्वर के दर्शन

इंदौर/भाषा

उज्जैन में ''श्री महाकाल महालोक'' गलियारे के लोकार्पण के बाद श्रद्धालुओं की तादाद में लगातार होते इजाफे के चलते महाकालेश्वर मंदिर परिसर में खास सुरंग बनाई जा रही है।

इस सुरंग के जरिये हर रोज करीब आठ लाख श्रद्धालु भगवान शिव के 12 ज्योतिर्लिंगों में शामिल महाकालेश्वर मंदिर में आसानी से दर्शन कर सकेंगे। प्रशासन के एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। उज्जैन के जिलाधिकारी कुमार पुरुषोत्तम ने ''पीटीआई-भाषा'' को बताया, ''फिलहाल महाकालेश्वर मंदिर में हर दिन दो लाख श्रद्धालु आसानी से दर्शन कर पाते हैं। हालांकि, पर्व-त्योहारों के दौरान श्रद्धालुओं की दैनिक तादाद जब तीन लाख के आसपास पहुंचती है, तो हमारे लिए भीड़ को नियंत्रित करना आसान नहीं होता।'' उन्होंने कहा कि इस स्थिति के मद्देनजर श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए महाकालेश्वर मंदिर में खास सुरंग बनाई जा रही है।

पुरुषोत्तम के मुताबिक, ''इस सुरंग के निर्माण के बाद हर रोज करीब आठ लाख श्रद्धालु महाकालेश्वर मंदिर में सुगमता से दर्शन कर सकेंगे।''

अधिकारियों ने बताया कि सूबे के आगामी विधानसभा चुनावों की बढ़ती सरगर्मियों के बीच मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा ''श्री महाकाल महालोक गलियारे'' के दूसरे चरण के तहत 242.35 करोड़ रुपये की लागत से किए गए कार्यों का पांच अक्टूबर (बृहस्पतिवार) को लोकार्पण किया जाना है। उन्होंने कहा कि इनमें नीलकंठ क्षेत्र, शक्तिपथ, अन्न क्षेत्र, महाराजवाड़ा परिसर और छोटा रुद्रसागर के विकास कार्य शामिल हैं, जिन्हें अंतिम रूप दिया जा रहा है।

अधिकारियों के अनुसार, गलियारा परियोजना के दूसरे चरण के तहत महाकालेश्वर मंदिर परिसर में खास स्थान भी विकसित किया जा रहा है, जहां हजारों श्रद्धालु इस मंदिर के शिखर के दर्शन कर सकेंगे।

फिल्म 'मिशन रानीगंज' का पोस्टर रिलीज

मुंबई/वार्ता

बॉलीवुड के जानेमाने अभिनेता अक्षय कुमार की आने वाली फिल्म मिशन रानीगंज का नया पोस्टर रिलीज हो गया है। अक्षय कुमार की फिल्म मिशन रानीगंज माइनिंग इंजीनियर जसवंत सिंह गिल के जीवन से प्रेरित है। गिल ने 1989 में रानीगंज कोलफील्ड्स में 64 लोगों को बचाया था। फिल्म में अक्षय कुनमार जसवंत सिंह का किरदार करते नजर आएंगे।फिल्म मिशन रानीगंज का नया पोस्टर रिलीज हो गया है, जो सभी के बीच देशभक्ति की भावना पैदा करेगा।निर्माताओं ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर इस पोस्टर को शेयर करते हुए कैप्शन दिया, 6 अक्टूबर को सिनेमाघरों में मिशनरानीगंज के साथ भारत के सच्चे हीरो की कहानी देखें। पूजा एंटरटेनमेंट के बैनर तले बनी फिल्म 'मिशन रानीगंज' का निर्माण विशू भगनानी, जैकी भगनानी, दीपशिखा देशमुख और अजय कपूर ने मिलकर किया है। फिल्म मिशन रानीगंज को टीनू देसाई ने निर्देशित किया है।इस फिल्म में अक्षय कुमार के अलावा परिणीति चोपड़ा , कुमुद मिश्रा, पवन मल्होत्रा, रवि किशन, वरुण बडोला, राजेश शर्मा और विरेंद्र सक्सेना जैसे सितारे अहम किरदार में हैं।'मिशन रानीगंज' 06 अक्टूबर को रिलीज होगी।

दिसंबर को रिलीज होगी फिल्म मेरी क्रिसमस

मुंबई/वार्ता

बॉलीवुड अभिनेत्री कैटरीना कैफ और दक्षिण भारतीय अभिनेता विजय सेतुपति की फिल्म 'मेरी क्रिसमस' 08 दिसंबर को रिलीज होगी।

श्रीराम राघवन निर्देशित फिल्म मेरी क्रिसमस में विजय सेतुपति और कैटरीना कैफ मुख्य भूमिका में हैं। 'मेरी क्रिसमस' को अलग-अलग सहायक कलाकारों के साथ दो भाषाओं, तमिल और हिंदी में शूट किया गया है।तमिल संस्करण के सह-कलाकार अभिनेता राडिका सरथकुमार, शनमुगराजा, केविन जय बाबू और राजेश विलियम्स हैं, जबकि हिंदी संस्करण में संजय कपूर, विनय पाठक, प्रतिमा कन्नन और टीनू आनंद हैं।

अश्विनी कालसेकर और राधिका आप्टे भी कैमियो निभाएंगी। फिल्म मेरी क्रिसमस पहले 15 दिसंबर को रिलीज होने वाली थी लेकिन अब यह फिल्म 08 दिसंबर को रिलीज होगी।

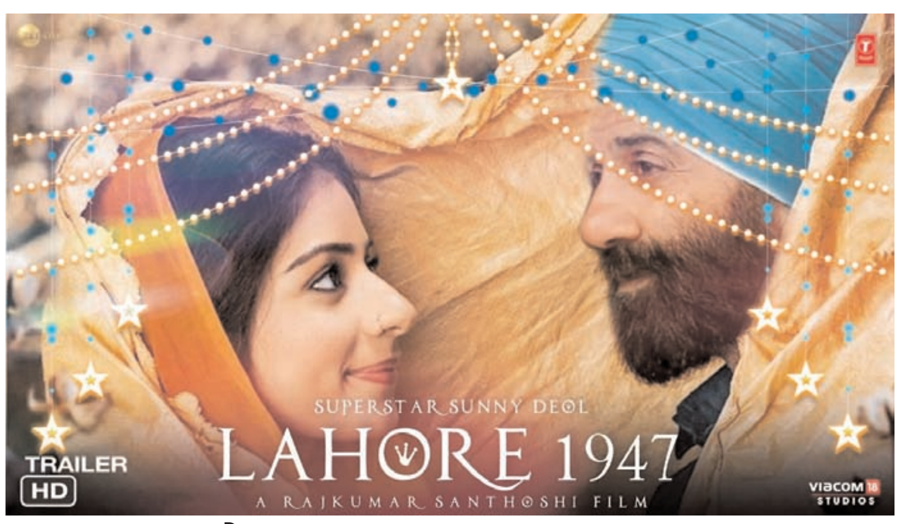

फिल्म 'लाहौर 1947' में काम करेंगे सनी देओल

मुंबई/वार्ता

बॉलीवुड अभिनेता सनी देओल, आमिर खान निर्मित फिल्म लाहौर 1947 में काम करते नजर आयेंगे। कुछ समय से ऐसी चर्चा हो रही थी कि आमिर खान और सनी देओल एक फिल्म में साथ काम करेंगे।इस फिल्म की ऑफिशियल अनाउसमेंट हो गई है। 'आमिर खान प्रोडक्शन' की तरफ से सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर करते हुए इस फिल्म का ऐलान किया गया है। फिल्म का टाइटल 'लाहौर 1947' रखा गया है। आमिर खान प्रोडक्शन की तरफ से जो पोस्ट शेयर किया है उसमें लिखा गया, मैं और आमिर खान प्रोडक्शन की पूरी टीम एक्साइटेड है और अगली फिल्म सनी देओल के साथ अनाउंस करते हुए खुशी हो रही है, जिसके निर्देशक राजकुमार संतोषी हैं और फिल्म का टाइटल लाहौर 1947 हैं।टैलेंटड एक्टर सनी देओल और मेरे फेवरेट डायरेक्टर राजकुमार संतोषी के साथ कोलैबोरेट करने में खुशी हो रही है।जो पोस्ट सामने आया है उससे यही लग रहा है कि आमिर सिर्फ इस फिल्म को प्रोड्यूस कर रहे हैं।

फिल्म '12वीं फेल' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई/वार्ता

बॉलीवुड फिल्मकार विधु विनोद चोपड़ा की आने वाली फिल्म 12वीं फेल का ट्रेलर रिलीज हो गया है। फिल्म 12वीं फेल लाखों भारतीयों से प्रेरित एक वास्तविक शक्तिशाली कहानी पर आधारित है। फिल्म में विक्रांत मैसी मुख्य भूमिका निभा रहे हैं। इस फिल्म में विक्रांत एक ऐसे किरदार में नजर आएंगे जिसमें कड़ी मेहनत और लगन से सफलता हासिल करने का जज्बा झलकता है। 12वीं फेल का ट्रेलर रिलीज हो गया है। 12वीं फेल के ट्रेलर की शुरुआत विक्रांत मैसी से होती है, जो इस फिल्म में मनोज कुमार शर्मा का किरदार निभा रहे हैं, जो चंबल के एक गांव से दिल्ली के मुखर्जी नगर में यूपीएससी की तैयारी करने आता है। यहां आकर उसे अपनी पढ़ाई जारी रखने के लिए टॉयलेट साफ करने से लेकर कई छोटे- बड़े काम करने पड़ते हैं, क्योंकि परिवार आर्थिक तंगी से जूझ रहा है और उसे सपोर्ट नहीं कर सकता।पूरे दिल से मेहनत करने के बाद मनोज का हौसला तब टूट जाता है, जब वो बार-बार एग्जाम में फेल होने लगता है, लेकिन गिरकर वो फिर उठता है, रिस्टार्ट करता है।

फिल्म 12वीं फेल, अनुराग पाठक की लिखी इसी नाम के सबसे ज्यादा बिकने वाले नॉवेल पर बेस्ड है, जो आईपीएस अधिकारी मनोज कुमार शर्मा और आईआरएस अधिकारी श्रद्धा जोशी की शानदार सफर के बारे में है। 12वीं फेल को विधु विनोद चोपड़ा ने निर्देशित किया है। वहीं, जी स्टूडियोज ने प्रोड्यूस किया है। फिल्म 12वीं फेल 27 अक्टूबर को हिंदी के साथ तमिल, तेलुगु और मलयालम में भी रिलीज होगी।

मुझे लार्जर दैन लाइफ एक्शन स्टार बनना पसंद है : सलमान खान

मुंबई/एजेन्सी

हिंदी सिनेमा में 35 साल पूरे कर चुके बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान का कहना है कि उन्हें लार्जर दैन लाइफ एक्शन स्टार बनना पसंद है। सलमान ने कहा: जिन लोगों ने मुझे मेरे डेब्यू के बाद से प्यार किया है, उन्होंने सोशल मीडिया पर मुझे एहसास कराया कि मैंने सिनेमा में 35 साल पूरे कर लिए हैं! यह मेरे लिए एक बहुत ही खास पल है, पुरानी यादें, प्यार, खुशी और उस दर्द से भरा हुआ जब चीजें प्लान के अनुसार नहीं हुईं। लेकिन मुझे हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में अपनी यात्रा का हर मिनट पसंद आया।'' उन्होंने आगे कहा, ''टाइगर 3 की रिलीज के साथ इसका जश्न मनाते हुए मुझे खुशी हो रही है! मुझे पता है कि मेरे प्रशंसक मुझे एक्शन करते हुए देखना पसंद करते हैं और मुझे उम्मीद है कि टाइगर 3 एक परफेक्ट गिफ्ट है जिसका वे इंतजार कर रहे है!'' सलमान 'टाइगर 3' के पहले वीडियो एसेट 'टाइगर का मैसेज' को मिली प्रतिक्रिया से बेहद खुश हैं। यशराज फिल्म्स ने पिछले हफ्ते 'टाइगर का मैसेज' जारी किया। सलमान खान यशराज फिल्म्स की 'टाइगर 3' में सुपर एजेंट टाइगर उर्फ ङ्कङ्कअविनाश सिंह राठौड़ के रूप में अपनी भूमिका को दोहराने के लिए वापस आ गए हैं। उनका कहना है कि इस तरह के जीवन से भी बड़े किरदार निभाना मजेदार है।

सलमान ने कहा, ''मुझे एक्शन शैली पसंद है, मुझे लार्जर दैन लाइफ एक्शन स्टार बनना पसंद है। मजा आता है! मुझे बड़े एक्शन शो करना पसंद है और 'टाइगर 3' जितना बड़ा हो सकता है उतना बड़ा है। फिल्म की कहानी कुछ ऐसी है जो मुझे बहुत पसंद आई और मुझे यकीन है कि हम इससे सभी को हैरान कर देंगे।'' वाईआरएफ के घरेलू फिल्म निर्माता मनीष शर्मा द्वारा निर्देशित 'टाइगर 3' दिवाली पर रिलीज होने के लिए तैयार है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

8

www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com

चेन्नई | बुधवार | 04-10-2023 /dakshinbharat /dakshinbharat

DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

धर्म के तत्व को जानने वाला ही धर्म कर सकता है, अज्ञानी और नास्तिक नहीं कर सकता है। धर्म हमारा मित्र और अधर्म शत्रु है। अधर्म के मार्ग पर चलने वाला प्राणी जीवन मे कभी सुख नहीं भोग सकता है और ना ही कभी संसार से मुक्ति प्राप्त कर सकता है क्योंकि अधर्म और पाप के रास्ते पर जो व्यक्ति चलता है आज तक वह अपना भला नहीं कर पाया है और न ही किसी और का कर सकता है। साध्वी स्नेह प्रभा ने उत्ताराध्यय सूत्र के अध्ययन का वांचन करते हुए बताया कि सच्चा सुख धर्म में है, और धर्म का पालन करने से व्यक्ति सिद्धि और लब्धि प्राप्त करता है धर्म जीवन की वह औषधी है जिससे मनुष्य संसार के सब दुखों से छुटकारा प्राप्त कर सकता है।

क्रोध से बचने के लिए उत्तेजना के क्षणिक आवेश में नहीं आना चाहिए

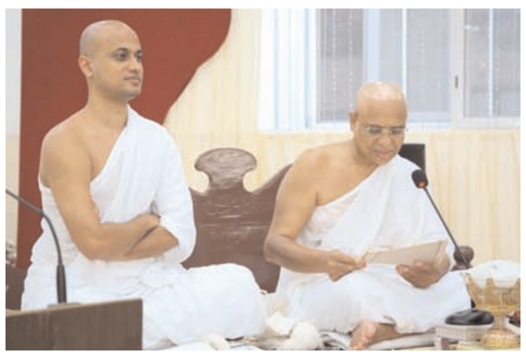

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। श्री सुमतिवल्लभ नॉर्थटाउन श्वेतांबर मूर्तिपूजक जैन संघ में आचार्य श्री देवेंद्रसागरसूरिजी ने कहा कि मनुष्य के सत्कार्य ही उसके जीवन की सफलता के सार होते है। मानव के चरित्र में अनेक विकृतियां स्वयंकृत अथवा समाज के प्रदूषण से उत्पन्न होती है। मानव यदि विकृतियों से बचा रहता है तभी वह सफलता एवं सुख का अनुभव कर पाएगा। व्यक्ति की किसी भी वस्तु के प्रति आसक्ति उस वस्तु को प्राप्त करने की लालसा उत्पन्न करती है और वह क्रियाशील हो जाता है। मनुष्य का आत्मसंयमित होना आवश्यक है अन्यथा उसे अनेक बुराइयां दबा लेंगी और वह असफलता के दलदल में धंस जाएगा। यदि संयम के साथ क्रियाशील रहेगा तो आत्मविश्वास सबल रहेगा और उत्साह के साथ अपने कर्म में सफलता प्राप्त कर सकेगा। उत्साह जहां संयमशीलता से किए कर्म के साथ होता है वहीं इसके विपरीत उत्तेजना होती है। उत्तेजना में उत्साह जैसा जोश तो होता है, पर वह क्षणिक उद्वेग पर आधारित होता है। उत्साह सकारात्मक होने के कारण कार्य के प्रति आशा का संचार करता है, जबकि उत्तेजना पैदा होने पर नकारात्मक वृत्तियां बढ़ने लगती है और कार्य की असफलता की ओर बढ़त होने लगती है। उत्साह कार्मिक क्षमता का विकास होता है, जबकि नकारात्मक सोच क्रोध को जन्म देती है। हमारे मन एवं उसकी वृत्तियों का शरीर बुद्धि व आत्मा पर प्रभाव पड़ता है। क्रोध का मूल है इच्छापूर्ति में अवरोध होना। जहां क्रोध आया वहीं विवेक नष्ट हुआ। विवेक मनुष्य की बुद्धि का वह श्रेष्ठतम भाग है जो नीर-क्षीर की पहचान करता है। मनुष्य के मन में जब अंर्त्द्वन्द, तनाव एवं असंतोष का भाव जागृत होता है तो समझो क्रोध की स्थिति प्रारंभ हो गई है। क्रोध दूर होने पर जब होश आता है तब अपने कृत्य के लिए पश्चाताप के अलावा कुछ शेष नहीं रह जाता।

बीजेएस द्वारा परिचय सम्मेलन का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयम्बटूर। भारतीय जैन संघटना तमिलनाडु के तत्वावधान में कोयम्बटूर चैप्टर द्वारा ग्रेजएट एवं पोस्ट ग्रेजुएट (35 वर्ष तक) के जैन युवक युवतियों के लिए एक्टिविटी पर आधारित विशेष परिचय सम्मेलन का आयोजन रविवार को किया गया। इस सम्मेलन में 78 युवकों एवं 27 युवतियों ने पंजीकरण करवाया। बीजेएस के राष्ट्रीय, राज्य, कोयम्बटूर के पदाधिकारियों एवं जैन संघ से उपस्थित महानुभावों द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ सम्मेलन का शुभारंभ हुआ। बीजेएस कोयम्बटूर के अध्यक्ष धर्मेन्द्र श्रीश्रीमाल ने उपस्थित सभी का अपने शुभभावों की अभिव्यक्ति से स्वागत किया। बीजेएस के राज्याध्यक्ष रमेश पटावरी ने कहा कि बदलते परिवेश एवं समय की मांग को देखते हुए इतनी बड़ी संख्या में युवक युवतियों ने नूतन प्रारूप में समायोजित परिचय सम्मेलन के लिए उत्साह दिखाते हुए रजिस्ट्रेशन करवाकर उपस्थित होना जैन समाज के लिए शुभ संकेत है। बीजेएस के दूरदृष्टा संस्थापक शांतिलाल मुथ्था ने लगभग 38 वर्ष पूर्व जैन समाज के समक्ष आने वाली इस चुनौती का अग्रिम अनुभव किया। और परिचय सम्मेलन जैसे मंच का निर्माण किया जो आज के समय मे प्रासंगिक, अति आवश्यक एवं उपयोगी मंच बन गया।

परिचय सम्मेलन के मुख्य मार्गदर्शक एवं बीजेएस के निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं ट्रस्टी प्रफुल्ल पारख ने मार्गदर्शन प्रदान करते हुए कहा कि आज जैन समाज के लिए सबसे ज्यादा उभरती हुई चुनौती है विवाह योग्य बेटे-बेटियों के रिश्ते तय करना। माता पिता के पास अपने बच्चों के लिए दो चार बॉयोडाटा होते होंगे लेकिन समाज के लिए बने हुए विशेष रूप से डिज़ाइन किये हुए बीजेएस के परिचय सम्मलेन में हर एक युवक और युवती के लिए अनेकों विकल्प उपलब्ध होते है। उन्होंने कहा कि समाज के प्रत्येक व्यक्ति को रिश्तों को तय करते वक़्त कम से कम बैरियर्स रखने चाहिए, जिससे रिश्ते तय करना आसान हो। उन्होंने कहा कि बदलते समय में रिश्ते तय करने की प्रक्रिया में बदलाव बहुत ही जरूरी हो गया है। आज की युवा पीढ़ी की सोच अलग है वह बहुत कुछ पाने की चाह से ज्यादा जीवन साथी के साथ अपनी कम्पेटिबिलिटी चाहती है।

वर्तमान में बीजेएस के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेन्द्र लुंकड़ ने कहा कि आज के सम्मेलन में इतनी उपस्थिति निश्चित ही समाज के जागृति का आगाज है और आने वाले समय मे यह कारवां बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि जैन समाज के बच्चों के रिश्ते तय करने के लिए बीजेएस तमिलनाडु एवं निकटवर्ती क्षेत्रों के कार्यकर्ताओं ने जो श्रम किया वह अति सराहनीय है जिसमे कोयम्बटूर के कार्यकर्ताओं ने घर घर जाकर जो प्रयास किया वह विशेष उल्लेखनीय है। इस सत्र का सफल संचालन मधु बांठिया ने किया।

प्रफुल्ल पारख ने संभागियों को दिशा निर्देश देते हुए एक्टिविटी में आपको दो विशेष बातों पर लक्ष्य करना है, खुद को एक्सप्रेस करें और दूसरों को ऑब्सर्व करें। तभी इस सम्मेलन में आना सार्थक होगा। तभी आप अपने पसंद के योग्य प्रत्याशी को चुन पाएंगे। पूरे समय संभागियों के अभिभावकों के समक्ष एक्टिविटी का क्रम लाइव चलता रहा।

इस अभियान को सफल बनाने में बीजेएस कोयम्बटूर के अध्यक्ष धर्मेन्द्र श्रीश्रीमाल, सचिव राकेश गोलेछा, कोषाध्यक्ष निर्मल छाजेड़, महिला विंग अध्यक्ष चंद्रा कोठारी, सचिव सपना लोढा, कोषाध्यक्ष संगीता सुराणा एवं उनकी उर्जावान टीम का विशेष प्रयास रहा। सम्मेलन के समापन सत्र में कोयम्बटूर एवं राज्य की ओर से प्रफुल्ल पारख का स्मृति चिन्ह भेंट कर अभिनंदन किया गया।

सिंवाची संघ का स्नेह मिलन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां श्री सिवांची मद्रास जैन संघ द्वारा 35वां स्नेह मिलन समारोह मनाया गया। सिवांची संघ, एक विशाल वट वृक्ष की भांति अदभुत गतिविधियों का सक्षम समाज है। यहां अनेक अनेक गतिविधियां चलाई जाती है।

स्नेह मिलन समारोह का शुभारंभ रंजू कोठारी के मंगलाचरण से हुआ। स्वागत भाषण संघ अध्यक्ष जयंतीलाल बागरेचा ने पेश किया। मंत्री अशोक कुमार खतंग ने क्षमा के स्वर के साथ सामाजिक संस्कारों के नियमों को प्रस्तुत किया। हमारी संपन्न हुईं यात्रा की एक वीडियो क्लिप भी दिखाई गई। यात्रा की जानकारी यात्रा संयोजक राजकुमार संकलेचा ने दी। 35वर्षो की संपन्नता पर संघ द्वारा लोगो बैनर का अनावरण किया गया और निकट भविष्य में स्वास्थ्य शिविर के आयोजन की घोषणा की। शिविर संयोजक जयंतीलाल खिंवेसरा ने इसकी विस्तृत जानकारी समारोह में प्रस्तुत की।

मंडल अध्यक्ष अनिल जिरावला ने अपनी मंडल रिपोर्ट देते हुए क्षमा प्रार्थना की। महिला मंडल की अध्यक्ष सुमित्रा कांकरिया ने समाज को धन्यवाद देते हुए सबसे क्षमा याचना की। उपाध्यक्ष ओटमल श्रीश्रीमाल, नेमीचंद देशरल्ला, जयंतीलाल चौधरी एवम मानकचंद बालड आदि व्यक्तियों ने क्षमायाचना की। स्नेह मिलन में बड़ी संख्या में सदस्य परिवार शामिल हुए। तपस्यार्थियों एवं मेधावी छात्रों का सम्मान किया गया। स्नेह मिलन के लाभार्थी का अभिनन्दन हुआ। द्वितीय चरण में युवा मंडल एवम महिला मंडल द्वारा आमोद प्रमोद के रोमांचक कार्यक्रम रखे गए। संपूर्ण कार्यक्रम बड़ा ही रोचक और सौहार्द पूर्ण संपन्न हुआ। पधारे हुए महानुभावों ने पूरे दिन का अच्छा लुत्फ उठाया।

जरूरत के समय भाई को भाई की मदद करनी चाहिए : साध्वी चैतन्यश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां पुरुषवाक्कम के एएमकेएम सेन्टर में विराजित साध्वीश्री चैतन्यश्रीजी म. सा. ने अपने प्रवचन में बताया की राम के अनन्य भक्त तथा राम के भाई भरत के बारे में अपने प्रवचन में बताया कि भरत की एक ही परिभाषा हैं प्यार, प्रेम और सरलता भरत राम के प्रति निश्चलता रखने वाले भक्त थे राम अयोध्या से वनवास के लिए चले गए और भरत को राजगद्दी मिली परंतु राज्य के सिंहासन पर भरत एक क्षण के लिए भी नहीं बैठे। भरत ने यही कहा कि यह राजगद्दी यह सिंहासन भ्राता राम का है। मैं राम का भक्त हूं। मैं राम की जगह कैसे ले सकता हूं। भगवान भगवान होता है और भक्त भक्त होता है अगर भक्त भगवान बनने लग जाए तो फिर भगवान की महिमा क्या रहेगी। भरत बिना राम के राम राज्य चलाने वाले भाई थे वनवासी का जीवन जीने वाले भरत थे। वह अयोध्या में थे परंतु भरत एक संन्यासी के भांति रहते थे। हमारा जिस पर प्रेम है जो भी दुख दे उसको स्वीकार करने की क्षमता हमें आनी चाहिए। माता-पिता और गुरु दुख दे तो उसे स्वीकार कर लेना। कितना भी कष्ट मिले, वह हमारी क्षमता को उजागर करते हैं। जो स्वयं का अधिकार छोड़ दे वह राम है। दूसरों पर अधिकार करे वह रावण है। भरत जब वनवास जाकर राम से क्षमा मांगी और अयोध्या चलने के लिए कहा तो राम कहते है भरत मुझ पर अधिक स्नेह कर रहे हो मैं पिता के वचन को पालन किए बगैर अयोध्या नहीं आ सकता। तब भरत राम से शिक्षा मांगने लगे और आंसू बहाते हुए कहने लगे भैया जब तक आप वनवास पूरा कर अयोध्या नहीं आएंगे तब तक मैं सिंहासन पर नहीं बैठूंगा। उस समय तक मैं भी एक वनवासी का जीवन जिऊंगा। भैया आपके पहने हुए खड़ाऊ मुझे देदो इसको मैं भगवान राम समझकर मैं सिंहासन पर रखूंगा और आपकी आज्ञा लेकर राज्य का संचालन करूंगा। यह होता है भाई का प्रेम। आज प्रेम की जगह द्वेष ने जगह ले ली है। भाई को अगर कोई भी तकलीफ आए और भाई अगर उसकी सहायता नहीं करें तो वह भाई किस काम का।

किलपॉक जैन संघ में सूरिमंत्र महापूजन सानंद संपन्न हुआ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां किलपॉक श्वेतांबर मूर्तिपूजक जैन संघ के तत्वावधान में उपशम गुणनिधि गच्छाधिपति आचार्यश्री उदयप्रभ सूरीश्वरजी महाराज के 56वें जन्मदिवस के उपलक्ष में मंगलवार प्रातः महामंगलकारी श्री गौतमस्वामी सूरिमंत्र महापूजन का आयोजन एससी शाह भवन में हुआ। यह महापूजन संगीत सरगम के साथ एवं विशुद्ध सामग्रियों के द्वारा संपन्न हुआ। पूजन सुबह प्रारंभ हुआ जो दोपहर तक चला। सूरिमंत्र की अपनी विशिष्टता है। इस पूजन में पांच पीठिका होती है जिनमें वाणी यानी सरस्वती, त्रिभुवन स्वामी, श्रीदेवी अर्थात लक्ष्मी, गणि पिट्टक और स्वयं गौतमस्वामी विराजमान होते हैं। इस मौके पर अनेक संघों के पदाधिकारी एवं ट्रस्टियों ने आचार्यश्री को बधाई एवं शुभकामनाएं दी और आराधना, साधना के कई अभिग्रह लिए एवं जीवदया के कार्यक्रमों की घोषणा की। पूजन के लाभार्थी देव गुरु भक्त परिवार थे। इस मौके पर सामूहिक आयंबिल, समूह सामायिक एवं जिनालय में संध्या भक्ति का भी आयोजन हुआ।

धर्म जीवन पार लगाता है तो अधर्म उसे डुबोता है : महासती धर्मप्रभा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। धर्म तिराता है और अधर्म डुबोता है। मंगलवार साहूकारपेट के मरूधर केसरी दरबार में महासती धर्मप्रभा ने श्रावक श्राविकाओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि धर्म के तत्व को जानने वाला ही धर्म कर सकता है, अज्ञानी और नास्तिक नहीं कर सकता है। धर्म हमारा मित्र और अधर्म शत्रु है। अधर्म के मार्ग पर चलने वाला प्राणी जीवन मे कभी सुख नहीं भोग सकता है और ना ही कभी संसार से मुक्ति प्राप्त कर सकता है क्योंकि अधर्म और पाप के रास्ते पर जो व्यक्ति चलता है आज तक वह अपना भला नहीं कर पाया है और न ही किसी और का कर सकता है। साध्वी स्नेह प्रभा ने उत्ताराध्यय सूत्र के अध्ययन का वांचन करते हुए बताया कि सच्चा सुख धर्म में है, और धर्म का पालन करने से व्यक्ति सिद्धि और लब्धि प्राप्त करता है धर्म जीवन की वह औषधी है जिससे मनुष्य संसार के सब दुखों से छुटकारा प्राप्त कर सकता है। धर्मसभा में अतिथि इन्दरचन्द बोहरा का संघ के महावीरचन्द कोठारी, शांति लाल दरड़ा ने सम्मान किया।

वैष्णव कॉलेज में दर्पण-2023 की धूम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। द्वारकादास गोवर्धनदास वैष्णव कॉलेज के हिन्दी विभाग शिफ्ट2 द्वारा चेन्नई शहर के महाविद्यालयों के हिन्दी विद्यार्थियों लिए दर्पण-2023 का आयोजन मंगलवार को कॉलेज के द्वारका सभागार में किया गया। कुल सात प्रतियोगिताओं में अपना जौहर दिखाने हेतु चेन्नई शहर के 20 कॉलेज के 290 से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया।

कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में प्रसिद्ध साहित्यकार एवं लेखिका शकुन्तला करनानी थी। अनुभूति संस्था के अध्यक्ष गोविंद मूंदड़ा और उनकी पत्नी पुष्पा भी मौजूद रही। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन एवं प्रार्थना से हुई। इसके बाद हिन्दी विभाग के अध्यक्ष डॉ मनोज कुमार सिंह ने सभी का स्वागत करते हुए बताया कि किस प्रकार वैष्णव कॉलेज के हिन्दी विभाग का कार्यक्रम दर्पण पिछले 32 वर्षों से आयोजित हो रहा है। इस बार विद्यार्थियों जोश देखने लायक रहा। कुल सात प्रतियोगिताएं पोस्टर बनाना, रचनात्मक लेखन, एकल गायन, विज्ञापन बाजी , चैनल बदलो, वाद विवाद और लोक नृत्य का आयोजन किया गया।

कॉलेज के प्राचार्य डॉ एस संतोष बाबू ने इस अवसर पर अध्यक्षीय भाषण देते हुए कहा कि भाषा हमारे जीवन की सबसे बड़ी ताकत है और सभी छात्रों को हिन्दी, तमिल, अँग्रेजी के अलावा भी अन्य भाषाएँ सीखनी चाहिए। मुख्य अतिथि शकुन्तला करनानी ने अपने उद्बोधन में सभी विद्यार्थियों को प्रोत्साहन दिया।

दिन भर चली प्रतियोगिता के बाद शाम को समापन समारोह में कॉलेज के सचिव अशोक कुमार मूँधड़ा और कोषाध्यक्ष अशोक केडिया ने दर्पण आयोजन समिति के सभी सदस्यों को बधाई दी। सभी प्रतियोगिताओं में विजेता विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र और ट्रॉफी दी गई।

ओवरआल ट्रॉफी की विजेता एथिराज कॉलेज शिफ्ट-2 की टीम रही। अंत में हिन्दी विभाग की सहायक प्राध्यापिका डॉ हर्षलता वी शाह नें धन्यवाद ज्ञापन दिया।

अजमेर रामेश्वरम् हमसफर एक्सप्रेस के बिजयनगर ठहराव को लेकर ज्ञापन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। ब्रज मधुकर भवन में डॉ ज्ञानलता की द्वितीय पुण्य स्मृति दिवस पर डॉ. दर्शनलताजी म.सा के दर्शनार्थ पहुंचे भाजपा किसान मोर्चा राजस्थान के अध्यक्ष एवं अजमेर लोकसभा सांसद भागीरथ चौधरी को दक्षिण भारत में निवास करने वाले चेन्नई, सिरकाली, मायावरम, में निवास करने वाले प्रवासियों ने अखिल भारतीय नानक प्राज्ञ राष्ट्रीय युवा संघ के राष्ट्रीय महामंत्री मनोज जैन के तत्वावधान में हमसफर ट्रेन के ठहराव को लेकर ज्ञापन दिया गया। अजमेर लोकसभा सांसद से गाड़ी संख्या 20973/20974 अजमेर रामेश्वरम एक्सप्रेस के बिजयनगर ठहराव की मांग की गई जो बहुत लम्बे समय लंबित है। विभिन्न जन प्रतिनिधियों से इसकीमांग की जा चुकी है। इस मार्ग पर यह सबसे लम्बी दूरी की ट्रेन है। बिजयनगर और उसके आसपास के रहवासियों के लिए रामेश्वरम् की यात्रा में यह ट्रेन बहुत ही सार्थक है। उन्हें रात को भीलवाड़ा आकर इस ट्रेन को पकड़ना पड़ता है। जबकि यह ट्रेन बिजयनगर होकर के निकलती है। सांसद ने सभी प्रवासियों की समस्या सुनकर जल्द ही इसके निस्तारण का आश्वासन दिया है।

गौशाला को एक एकड़ भूमि सहयोग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयम्बटूर। श्री भगवान महावीर गौशाला द्वारा विभिन्न योजनाओं द्वारा आमजनों के लिए गौसेवा के अवसर प्रदान किए जा रहे है।

इसी कड़ी में मंगलवार को कोयंबतूर स्थानकवासी जैन संघ द्वारा गौशाला के एक एकड़ भूमि दान योजना में 5 लाख 11 हजार रुपए राशि प्रदान की गई। कोयंबटूर स्थानकवासी जैन संघ के अध्यक्ष राजेश बोहरा ने गौशाला के अध्यक्ष प्रवीण चौहान को ये राशि प्रदान की। इस अवसर पर एससीएस जैन संघ के सहसचिव अजय टाटिया, कार्यकारिणी सदस्य राजेश कुमार गादिया, न्यास के प्रबंध न्यासी गौतमचंद श्रीश्रीमाल, समाज सेवी सुरेश चंद्र बाफना आदि उपस्थित थे। धन्यवाद संघ के सचिव सुनील कुमार ने ज्ञापित किया।

जीत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई के चेन्नई ट्रेड सेन्टर में साउथ इंडिया शेफ एसोसिएशन के तत्वावधान में हुए छह एशिन देशों के सेफों द्वारा प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें 6 देशों के लगभग 1700 सेफों ने भाग लिया। डिजर्ट मैकिंग प्रतियोगिता में चेन्नई की दीक्षा प्रवीण मालू ने कॉस्य पदक जीता।

स्कूल में वितरित की पाठ्य सामग्री

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के विजय संभव फाउंडेशन ने राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय तिंडलू के बच्चों को शिक्षा की मूलभूत वस्तुएं जैसे कॉपी, पेन, पेंसिल, वाटर बॉटल,इरेजर,शार्पनर इत्यादि वितरित किया।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक www.dakshinbharat.com

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.